राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 02 अप्रैल 2024 वर्ष–7,अंक–68 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

जलपाईगुड़ी में तूफान की चपेट में आने से 5 की मौत

– अभी और बरसेंगे बादल, आईएमडी ने जारी किया येलो अलर्ट

कोलकाता । (एजेंसी)

पश्चिम बंगाल के उत्तरी हिस्से में स्थित जलपाईगुड़ी जिले के कुछ हिस्सों में अचानक आए तूफान की चपेट में आने से 5 लोगों की मौत हो गई जबकि 100 से अधिक लोग घायल हो गए। इस बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले पांच दिन के दौरान पूर्वोत्तर के कई राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान जताते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार, कूच बिहार और जलपाईगुड़ी जिलों के कुछ हिस्सों में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश की चेतावनी जारी की है। अलीपुर मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। गौरतलब है कि पूरे बंगाल में मौसम का मिजाज बार-बार बदल रहा है। कभी-कभी तूफान और बारिश से तापमान गिर रहा है। कभी-कभी समुद्र से आने वाले जलवाष्प के प्रभाव से तापमान बढ़ जा रहा है।

आईएमडी ने अगले कुछ दिनों में कोलकाता और पश्चिम बंगाल के दक्षिणी जिलों में छिटपुट बारिश की भविष्यवाणी की है, जबकि पश्चिम पुरुलिया, बांकुरा, पश्चिम मिदनापुर और पश्चिम बर्दवान में अधिकतम तापमान दोनों दिनों में 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। अगले दो दिनों में कोलकाता, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, पूर्वी मेदिनीपुर, हावड़ा, हुगली, पुरुलिया, झाड़ग्राम, पश्चिम मेदिनीपुर, बांकुरा, पश्चिम बर्दवान, पूर्वी क्षेत्र में एक या दो स्थानों पर गरज और बिजली गिर सकती है। वहीं गुवाहाटी में स्थानीय मौसम केंद्र ने एक विशेष बुलेटिन में असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश के लिए अगले चार दिन के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। अधिकारियों ने बताया कि पश्चिम

बंगाल में तूफान की वजह से राजारहाट, बार्निश, बकाली, जोरपाकड़ी, माधबडांगा और सप्तीबारी सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं एवं कई एकड़ क्षेत्र में लगी फसलों को नुकसान हुआ है। जलपाईगुड़ी जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ओलावृष्टि से कई पैदल यात्री घायल हो गए। आपदा प्रतिक्रिया दल को तैनात किया गया है और सहायता बूथ स्थापित किए गए हैं।

सीएम केजरीवाल को कोर्ट से बड़ा झटका

- ईडी ने नहीं मांगी रिमांड, 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा
- -तिहाड़ जेल भेजे गए केजरीवाल

नई दिल्ली। (एजेंसी)

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आज सोमवार को अदालत से एक बड़ा झटका लगा है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीएम केजरीवाल को 15 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस आदेश के बाद उन्हें तिहाड़ जेल में रखा जाएगा। ईडी ने उन्हें रिमांड में लेने की जगह न्यायिक हिरासत में भेजे जाने की मांग की थी, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ईडी ने 21 मार्च को उनके निवास से पूछताछ के दौरान ही गिरफ्तार किया था। इसके बाद 22 मार्च को अदालत में पेश किया जहां से 28 मार्च तक उन्हें पहली बार ईडी की हिरासत में भेजा गया था। इसके बाद ईडी ने फिर से रिमांड मांगी तो कोर्ट ने 1 अप्रैल तक के लिए उनकी हिरासत बढ़ा दी थी। आज ईडी ने सीएम केजरीवाल को अदालत में पेश करते हुए उन्हें 15 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजे जाने की मांग की थी, जिसपर राउज एवेन्यू कोर्ट ने मुहर लगा दी। इससे पहले कोर्ट में पेशी पर ले जाए जाने के दौरान सीएम केजरीवाल ने कहा, कि पीएम जो कर रहे हैं, ठीक नहीं कर रहे हैं। वहीं अदालत में ईडी ने कहा कि केजरीवाल सहयोग नहीं कर रहे हैं और वह गोलमोल जवाब दे रहे हैं। ईडी ने कहा कि वह अपने आईफोन का पासवर्ड भी नहीं दे रहे हैं, जिससे जांच को आगे बढ़ाया जा सके। इसके बाद ईडी ने केजरीवाल को रिमांड पर लेने की अर्जी नहीं लगाई और न्यायिक हिरासत में भेजने की मांग रख दी, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। अब कहा जा रहा है कि केजरीवाल को तिहाड़ जेल में रखा जाएगा।

एल्विश यादव के खिलाफ सबूत जुटा रही पुलिस

नोएडा । पार्टियों में सांप और उनके जहर से नशे के मामले में एल्विश यादव के खिलाफ सबूत जुटा रही है। एल्विश यादव समेत 6 लोगों के खिलाफ यह केस 3 नवंबर को यहां सेक्टर-49 थाने में दर्ज हुआ था। 5 सपेरे पहले दिन ही जहर के साथ पकड़े गए थे। इसके बाद केस की जांच सेक्टर-20 थाने ट्रांसफर हुई थी। 17 मार्च को पूछताछ के बाद पुलिस ने एल्विश यादव को गिरफ्तार किया था। इसके बाद उसके दो करीबी भी गिरफ्तार हुए। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की 6 धाराएं भी केस में बढ़ाई। इनमें से 2 धाराएं केस में कमजोर पड़ी। फिर भी एल्विश यादव को कई दिन जेल में गुजारने पड़े। जमानत के बाद गुड़गांव पुलिस उसे प्रोडक्शन वॉरंट पर लेकर गई जहां जमानत पाकर वह बाहर निकला। नोएडा पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि केस की जांच में एल्विश का संबंध 2 नवंबर को सांप व उनके जहर के साथ पकड़े गए 5 सपेरों से साबित हुआ। इसके बाद डिब्बी में मिले 20 एमएल जहर की एफएसएल जांच में यह पुष्टि हुई कि यह सांप का जहर है। इसी आधार पर केस में एनडीपीएस एक्ट की धाराएं बढ़ाई गई थीं। एडीसीपी नोएडा मनीष मिश्रा ने बताया कि सामने आए तथ्यों पर पुलिस की जांच अभी जारी है। इसके साथ ही साक्ष्य संकलन भी पुलिस कर रही है।

लालू यादव ने बेटी रोहिणी आचार्य को चुनाव मैदान में उतारने की तैयारी शुरू की

सोनपुर । राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू यादव ने अपनी एक और बेटी रोहिणी आचार्य को भी चुनाव मैदान में उतारने की तैयारी शुरू कर दी है। सारण से रोहिणी आचार्य का लोकसभा चुनाव लड़ना लगभग तय माना जा रहा है। यही वजह है कि रोहिणी आचार्य ने अपना पहला चुनावी अभियान शुरू करने से पहले मां राबड़ी देवी और पिता लालू यादव के साथ सोनपुर के हरिहरनाथ मंदिर पहुंची जहां उन्होंने पूजा अर्चना की। रोहिणी आचार्य ने ही बीते साल अपने पिता को किडनी देकर उनकी जान बचाई थी। बीजेपी ने सारण सीट पर अपने मौजूदा सांसद और कद्दावर पार्टी नेता राजीव प्रताप रूडी को ही फिर से उम्मीदवार बनाया है। सारण सीट पर लालू परिवार का बेहद प्रभाव माना जाता है। इसी सीट से साल 1977 में लालू यादव पहली बार जीतकर संसद पहुंचे थे। इस सीट पर 2004 में लालू यादव ने रूडी को हरा दिया था और सारण से तीसरी बार संसद बने थे। 2009 में भी लालू यादव इस सीट से चुनाव जीत गए थे। इसके बाद 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में राजीव प्रताप रुडी ने इस सीट पर अपना बादशाहत कायम रखी है। वहीं बात अगर रोहिणी आचार्य की करें तो वो सिंगापुर में रहती हैं और मीसा भारती के बाद लालू यादव की दूसरी बेटी हैं जो राजनीति के मैदान में उतरी हैं। बता दें कि रोहिणी आचार्य को चुनाव मैदान में उतारे जाने पर बिहारी के डिप्टी सीएम और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने लालू यादव को लेकर विवादित बयान दिया था। उन्होंने पूर्व सीएम लालू पर निशाना साधते हुए कहा कि टिकट बेचने में लालू यादव ने अपनी बेटी को भी नहीं छोड़ा। पहले अपनी बेटी की किडनी ली और उसके बाद लोकसभा चुनाव का टिकट दे दिया। सम्राट के बयान पर लालू की बेटी रोहिणी आचार्य ने पलटवार किया था। उन्होंने कहा था कि ओछी सोच और ओछे चरित्रवालों की हर ओछी बात का जवाब जनता के बीच जनता जनार्दन की अदालत में दूंगी। सही-गलत का फैसला जनता करेगी।

– चुनावी चंदे के मामले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिया बयान

इलेक्टोरल बांड को लेकर हंगामा करने वालों को होगा पछतावा

नई दिल्ली । (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनावी बॉण्ड के मुद्दे से उनकी सरकार को झटका लगने की बात खारिज कर दी और कहा कि कोई भी प्रणाली पूरी तरह से सही नहीं है और खामियों को दूर किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस विषय पर हंगामा करने वाले लोगों को पछतावा होगा। टीवी पर एक साक्षात्कार के दौरान जब पीएम मोदी से यह पूछा गया कि क्या चुनावी बॉण्ड विवरण से सत्तारूढ़ भाजपा को झटका लगा है, मोदी ने कहा, मुझे बताइए कि हमने ऐसा क्या कर दिया कि मैं इसे एक झटके के तौर पर देखूं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि जो इसे (बॉण्ड के विवरण) को लेकर हंगामा कर रहे हैं और इस पर गर्व कर रहे हैं उन्हें पछतावा होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार की चुनावी बॉण्ड योजना के कारण ही चंदे के स्रोतों और इसके लाभार्थियों का पता लगाया जा सका। उन्होंने कहा कि अगर आज जानकारी उपलब्ध हुई है तो उसकी वजह बॉण्ड हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या कोई एजेंसी 2014 में उनके केंद्र की सत्ता में आने से पहले के चुनावों के लिए धन के स्रोत और उनके लाभार्थियों के बारे में बता सकती है। कोई भी प्रणाली बिल्कुल सही नहीं होती। कुछ खामियां हो सकती हैं, जिन्हें दूर किया जा सकता है। विपक्षी दलों ने उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद हुए खुलासे का हवाला देते हुए सरकार के प्रति हमलवार रुख अपना रखा है। न्यायालय ने गुमनाम तरीके से चंदा देने को असंवैधानिक घोषित करते हुए चुनावी बॉण्ड से संबंधित

सभी जानकारी सार्वजनिक करने का निर्देश दिया था। आपराधिक जांच का सामना कर रहीं कई कंपनियों ने बड़ी मात्रा में बॉण्ड खरीदे थे। साक्षात्कार के दौरान मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि किसी को उनके हर काम में राजनीति नहीं देखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह देश के लिए काम करते हैं और तमिलनाडु देश की बड़ी ताकत है।

भारत की बैंकिंग प्रणाली 10 वर्षों में मजबूत-टिकाऊ बनी: आरबीआई के 90वें साल में प्रवेश करने पर बोले पीएम

नई दिल्ली ।

आरबीआई के 90वें साल में प्रवेश करने पर पीएम मोदी ने देश की बैंकिंग व्यवस्था पर बड़ी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि 2014 में जब मैं आरबीआई के 80 साल पूरे होने के कार्यक्रम में शामिल हुआ था, तब स्थिति बहुत अलग थी। भारत का पूरा बैंकिंग क्षेत्र समस्याओं और चुनौतियों से जूझ रहा था। हर कोई भारत की बैंकिंग प्रणाली की स्थिरता और भविष्य को लेकर संशय में था।

पीएम के अनुसार स्थिति इतनी खराब थी कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक देश की आर्थिक प्रगति को पर्याप्त बढ़ावा देने में सक्षम नहीं थे। और आज, भारत की बैंकिंग प्रणाली को दुनिया में एक मजबूत और टिकाऊ बैंकिंग प्रणाली के रूप में देखा जाता है। भारतीय रिजर्व बैंक के 90 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में पीएम मोदी ने कहा, हमारी सरकार ने मान्यता, संकल्प और पुनर्पूंजीकरण की रणनीति पर काम किया। सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की स्थिति में सुधार के लिए 3.5 लाख करोड़ रुपये का पूंजी निवेश किया, शासन से संबंधित सुधार किए। इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड की नई व्यवस्था से करीब 3.25 लाख करोड़ रुपये के लोन का समाधान हुआ। कार्यक्रम के दौरान आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा, एक संस्था के रूप में आरबीआई का विकास भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है।

केंद्रीय बैंक होने के नाते, आरबीआई ने बाजार व अर्थव्यवस्था के लिए एक प्रवर्तक के रूप में काम किया है।

नहीं सुधरा चीन, अरुणाचल प्रदेश में 30 जगहों के बदले नाम

नईदिल्ली । (एजेंसी)

अरुणाचल प्रदेश को लेकर जब भारत ने खरी-खरी सुना दी तो तिलमिलाया चीन अब चालबाजी पर उतर आया है। अब वह कागजों पर जगहों के नाम बदलने में लगा है। ताजा घटनाक्रम में बीजिंग ने अरुणचाल प्रदेश के अंदर 30 जगहों के नाम बदल दिए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन के नागरिक मामलों के मंत्रालय ने इस बारे में जानकारी दी।

भारत के पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश पर चीन अपना दावा ठोकता है। यही नहीं, वो इसे जांगनान कहता है और इसे तिब्बती स्वायत्त क्षेत्र का हिस्सा बताता है। रिपोर्ट के अनुसार चीनी नागरिक मंत्रालय ने कहा कि भौगोलिक नामों के प्रबंधन पर स्टेट काउंसिल (चीनी कैबिनेट) के प्रासंगिग प्रावधानों के अनुसार, हमने संबंधित विभागों के साथ मिलकर चीन के जांगनान (अरुणाचल प्रदेश) में कुछ भौगोलिक नामों को मानकीकृत किया है। रिपोर्ट के अनुसार, जिन जगहों के नाम बदले गए हैं, उनमें अरुणाचल प्रदेश में मौजूद 11 जिले, 12 पहाड़, एक झील, एक पहाड़ी दर्रा और जमीन का एक हिस्सा शामिल है। इन सभी जगहों को तिब्बती स्क्रिप्ट में चीनी अक्षरों और रोमन में लिखी मंदारिन के जरिए दिखाया गया है। अरुणाचल प्रदेश को लेकर चीन की ये हरकत पहली बार नहीं है। इसके पहले बीते मार्च में ही बीजिंग ने अरुणाचल प्रदेश को लेकर दावा किया था, जिसे नई दिल्ली ने बेतुका और आधारहीन बताते हुए खारिज कर दिया था। बीते सप्ताह की शुरुआत में चीन एक बार फिर अपना प्रोपेगैंडा दोहराया था कि अरुणाचल प्रदेश हमेशा से उसका क्षेत्र रहा है। इसके जवाब में गुरुवार को भारत के रुख को दोहराते हुए भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है। यह एक ऐसा तथ्य है जो चीन के लगातार दावे के बावजूद अपरिवर्तनीय है।

जायसवाल ने कहा था कि अरुणाचल प्रदेश पर हमने बार-बार हमारी स्थिति बहुत स्पष्ट की है। चीन अपने बेबुनियाद दावों को जितनी बार चाहे दोहरा सकता है। उससे भारत की स्थिति बदलने वाली नहीं है।

- 5 और 6 अप्रैल को कई जिलों में बारिश की संभावना

राजस्थान में दो दिन की बारिश में पारा 2 से 3 डिग्री गिरा

जयपुर। प्रदेश के कई जिलों में शुक्रवार और शनिवार को हुई बारिश ने गर्मी का प्रकोप कम कर दिया है। रविवार को पूरे प्रदेश के तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। अधिकतम तापमान का आंकड़ा 39 डिग्री सेल्सियस को छू नहीं सका। टोंक जिले के वनस्थली में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 38.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रदेश के 16 जिलों में अधिकतम तापमान 35 से 38 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। प्रदेश के अधिकतम और न्यूनतम पारे में गिरावट दर्ज की गई। राजधानी जयपुर के तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं आया। दिन का तापमान 1.0 डिग्री गिरावट के साथ 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि रात्रि का तापमान 0.1 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी के साथ 24.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। दिन और रात का तापमान सामान्य से ऊपर रहा। दिन का तापमान सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान 4.2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। मौसम विभाग के मुताबिक 5 और 6 अप्रैल की मध्यरात्रि को एक और नया पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव होने वाला है। उसका असर दो दिन तक रहेगा। पश्चिमी विक्षोभ के चलते कई जिलों में हल्की बारिश और बूंदाबांदी होने की संभावना है। ऐसे में प्रदेश का मौसम सामान्य रहने की संभावना है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश के प्रमुख शहरों का अधिकतम तापमान इस प्रकार रहा- वनस्थली में 38.4 डिग्री सेल्सियस, कोटा में 38.1 डिग्री सेल्सियस, डूंगरपुर में 37.8 डिग्री सेल्सियस, करौली में 37.6 डिग्री सेल्सियस, भरतपुर में 37.5 डिग्री सेल्सियस, चित्तौड़गढ़ में 37.4 डिग्री सेल्सियस, फलोदी में 37.4 डिग्री सेल्सियस, धौलपुर में 37.4 डिग्री सेल्सियस, बाड़मेर में 37.2 डिग्री सेल्सियस, अंता बारां में 37.2 डिग्री सेल्सियस, जालौर में 37.0 डिग्री सेल्सियस, जयपुर में 36.2 डिग्री सेल्सियस, जोधपुर में 36.1 डिग्री सेल्सियस, डबोक में 36.0 डिग्री सेल्सियस, भीलवाड़ा में 36.0 डिग्री सेल्सियस।

आयकर नोटिस मामले में कांग्रेस को बड़ी राहत

–लोकसभा चुनाव तक नहीं होगी किसी प्रकार की कोई कार्रवाई

नई दिल्ली। (एजेंसी)

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान आज सोमवार को आयकर विभाग ने भरोसा दिलाया कि लोकसभा चुनाव का समय होने के चलते इन पैसों की रिकवरी को लेकर विभाग कोई करवाई नहीं करेगा। इसी के साथ आयकर विभाग के नोटिस मामले में कांग्रेस को कुछ दिनों के लिए राहत मिलती नजर आई है।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान आयकर विभाग ने भरोसा दिलाते हुए कहा है कि अभी चूंकि लोकसभा चुनाव का समय चल रहा है, लिहाजा हम इन पैसों की रिकवरी को लेकर कोई करवाई नहीं करेंगे। गौरतलब है कि कांग्रेस ने इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की हुई है। जस्टिस बीवी नागरत्ना की बेंच ने इस मामले में आज सुनवाई की। आयकर विभाग की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील रखी। अब इस मामले की सुनवाई अदालत 24 जुलाई को करेगी। आईटी की ओर से तुषार मेहता ने अदालत में कहा, कि हमनें 1700 करोड़ का नोटिस भेजा है, लेकिन लोकसभा चुनाव आ रहे हैं, ऐसे में फिलहाल कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। उन्होंने इसी के साथ ही मामले की सुनवाई जून महीने में करने की बात कहते हुए कहा कि तब तक कोई कार्रवाई नहीं होगी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सवाल करते हुए कहा, कि क्या आपने जो डिमांड रखी है, उसे स्थगित कर रहे हैं? इसके जवाब में सॉलिसिटर जनरल ने कहा, कि नहीं हम बस ये कह रहे है की हम चुनाव तक कोई कार्रवाई नही करेंगे। आयकर विभाग ने स्पष्ट कहा कि इस मामले की सुनवाई जून के दूसरे हफ्ते में की जाए। फिर मांग चाहे 1700 करोड़ हो या 3500 करोड़, यह मामला यहां इस केस में लंबित नहीं हैं। सॉलिसिटर जनरल ने भरोसा दिलाया कि हमारा बयान रिकॉर्ड किया जाए या नहीं, हम चुनाव खत्म होने तक कांग्रेस के खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई नहीं करेंगे। वहीं कांग्रेस की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह 3500 करोड़ रुपये की डिमांड है। इसके लिए सभी पर कार्रवाई ना हो। जहां तक मामले की बात है तो यहां बतलाते चलें कि लोकसभा चुनाव के ऐन पहले कांग्रेस पार्टी को आयकर विभाग ने एक नया नोटिस जारी किया, जिसके जरिये आंकलन वर्ष 2014-15 से 2016-17 तक के लिए 1,745 करोड़ रुपये के कर की मांग की गई। सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार आयकर विभाग ने अभी तक कांग्रेस से कुल 3,567 करोड़ रुपये के कर की मांग कर चुका है। ताजा नोटिस 2014-15 (663 करोड़ रुपये), 2015-16 (करीब 664 करोड़ रुपये) और 2016-17 (करीब 417 करोड़ रुपये) से संबंधित बताया गया है। सूत्रों की मानें तो आयकर अधिकारियों ने राजनीतिक दलों को मिलने वाली कर छूट समाप्त कर दी है और पार्टी पर कर लगाकर नोटिस थमा दिए हैं। गौरतलब है कि कांग्रेस ने शुक्रवार को ही कहा था कि उसे आयकर विभाग ने नोटिस भेजा है, जिसमें करीब 1,823 करोड़ रुपये का भुगतान करने को कहा गया है।

संपादकीय

शुचिता के सवाल

चर्चित कहावत रही है कि प्रेम व युद्ध में सब कुछ जायज मान लिया जाता है। अब इसमें राजनीति को भी शामिल मान लिया गया है। सत्ता के समीकरणों के लिये राजनीति की मुख्यधारा में शामिल होने के बाद शुचिता का प्रमाणन हो ही जाता है। फिर एक विज्ञापन की तर्ज पर कहा जाता है कि ये दाग अच्छे हैं। ये स्थिति हाल-फिलहाल ही नहीं, देश के राजनीतिक परिदृश्य में दशकों से जारी रही है। राजनीतिक सुविधा के हिसाब से गुण-दोषों की व्याख्या की जाती रही है। कहावत भी है- समरथ को नहीं दोष गुसांई। जैसे सबल व्यक्ति के दोषों को भी गुणों की तरह दर्शाया जाता है, वैसे ही राजनीति की मुख्यधारा में भी अवगुणों को गुण रूप में दर्शाने का विमर्श वक्त की हकीकत है। हाल फिलहाल के दौर में कई राजनेताओं के हृदय परिवर्तन और दल बदलने पर शुचिता के जुमले आम हैं। विपक्षी दल ऐसा ही कुछ सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल होने के आठ माह बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी नेता प्रफुल्ल पटेल से जुड़े एक मामले में सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट लगने के बाद कह रहे हैं। उनके अक्सर आरोप होते हैं कि राजनीतिक भयादोहन के लिये सरकारी एजेंसियों का उपयोग किया जाता रहा है। दरअसल, प्रफुल्ल पटेल के खिलाफ एयर इंडिया व इंडियन एयरलाइन्स विलय मामले में विसंगतियों के खिलाफ सीबीआई ने रिपोर्ट दर्ज की थी। उल्लेखनीय है कि अजित पवार वाला एनसीपी घटक कुछ माह पूर्व राजग में शामिल हो गया थी। दरअसल, एयर इंडिया व इंडियन एयरलाइन्स विलय के समय प्रफुल्ल पटेल केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के पद पर थे। उसी दौरान एक मामले में उनके क्रियाकलापों को संदिग्ध बताया गया था। तब इस मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के साथ ही प्रवर्तन निदेशालय ने भी उनसे पूछताछ की थी। उन पर मुनाफे वाले रूट्स के जरिये अपने एक मित्र को लाभ पहुंचाने का आरोप लगा था। उल्लेखनीय है कि दिल्ली की एक अदालत एक मामले में क्लोजर रिपोर्ट पर अगले माह के मध्य में विचार करेगी। वहीं दूसरी ओर कर्नाटक में 'माइनिंग किंग' के नाम से चर्चित जनार्दन रेड्डी की भाजपा में वापसी भी चर्चाओं में है। कहा जा रहा है कि यह प्रसंग राजग के 'अबकी बार,चार सौ पार' की मुहिम का हिस्सा है। रेड्डी का इतिहास खासा विवादों में रहा है और उन्हें खनन की दुनिया का बड़ा खिलाड़ी कहा जाता है। उनका नाम एक बड़े अयस्क कदाचार मामले में जोड़ा जाता रहा है। इसके अलावा कई अन्य मामलों के चलते भाजपा ने कालांतर उनसे दूरी बना ली थी। पिछले विधानसभा चुनाव से पहले कल्याण राज्य प्रगति पक्ष पार्टी बनाकर वे खुद भी विधानसभा पहुंचे थे और उनके भाई व अन्य पारिवारिक सदस्यों ने अच्छे-खासे वोट अपने इलाके में हासिल किये थे। अब जबकि राज्य में कांग्रेस सत्ता में है तो भाजपा ने जनाधार बढ़ाने के लिये रेड्डी की पार्टी में वापसी की राह सुनिश्चित की है। हालांकि, एक समय रेड्डी से बात करने से भी पार्टी के बड़े नेता कतराते थे, अब वे ही माइन्स किंग की वापसी को सुखद बता रहे हैं। उनकी अपनी-अपनी दलीलें हैं। यहां तक कि रेड्डी की पार्टी के शीर्ष नेताओं से भी मुलाकात हुई है। इस पर जनार्दन रेड्डी की दलील है कि उनका तो पार्टी में ही जन्म हुआ है, यह तो घर वापसी हुई है। राजनीतिक पंडित बता रहे हैं कि पिछले विधानसभा चुनाव में न केवल जनार्दन रेड्डी विधानसभा के लिये चुने गए थे बल्कि बेल्लारी विधानसभा सीट से भी उनकी पत्नी को एकमुश्त वोट मिले थे। इसके अलावा उनकी पार्टी के कई नेताओं को भी ठीक-ठाक वोट मिले थे।

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

ड्रोन उड़ानों के नियमन हेतु समग्र कानून जरूरी

के.पी. सिंह

ड्रोन-तकनीक ने दैनिक प्रशासनिक एवं पुलिस संबंधित समस्याओं के निवारण को आसान बना दिया है। हवाई फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी, यातायात नियंत्रण, आपदा नियंत्रण, निर्माण एवं संचार सेवाओं के सुचारु संचालन, फसलों के सर्वेक्षण तथा उन पर कीटनाशकों का छिड़काव, सीमाओं पर निगरानी, दूरगामी क्षेत्रों में दवाइयों एवं आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में ड्रोन सहायक साबित हो रहे हैं। कोरोना महामारी के दौरान नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 'गरुड पोर्टल' नामक एक सुविधा उपलब्ध कराई थी जिसके माध्यम से मानव रहित यान (ड्रोन) का प्रयोग करके आकाश से फोटोग्राफी, निगरानी और नागरिकों के लिए आवश्यक संदेशों को प्रसारित किया गया था। सरकारी विभागों में ही नहीं, प्राइवेट क्षेत्र में भी ड्रोन-तकनीक का उपयोग व्यापक स्तर पर हो रहा है। व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने के लिए ड्रोन के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के साथ-साथ मनोरंजन के क्षेत्र में भी प्रयोग किए जा रहे हैं। पिछले महीने, हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर में एक ड्रोन दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। जांच में पाया गया कि इस मानवरहित यान का प्रयोग करके एक व्यक्ति अनधिकृत रूप से दवाइयों की आपूर्ति में संलिप्त था। फरवरी, 2024 में भोजन ले जा रहा ड्रोन एक मकान की छत पर लगे एंटिना से टकरा कर चूर-चूर हो गया था तथा मकान को भी क्षति पहुंचाई थी। आतंकवादी और असामाजिक तत्व सीमा पार से मानवरहित यानों का प्रयोग करके हथियार और नशीले पदार्थ निरंतर भारतीय क्षेत्र में गिराते रहते हैं। पुलिस इस दुविधा में रहती है कि क्या कानून ऐसे ड्रोनों को मार गिराने की इज़ाजत देता है अथवा नहीं? वहीं दूसरी ओर हाल ही में हरियाणा पुलिस ने जब पंजाब-हरियाणा सीमा पर किसानों के मार्च को रोकने के लिए ड्रोन से आंसू गैस के गोले गिराए थे तो लोगों ने इस कार्रवाई की आलोचना की थी। इन घटनाओं में यह तथ्य उजागर होता है कि मानवरहित यानों के संचालन से संबंधित पर्याप्त कानूनों का अभाव ही नहीं, अपितु जो नियम हैं भी उनकी पालना नहीं हो पा रही है। मानवरहित यानों से संबंधित भारत में सबसे पहले नियम महानिदेशक नागरिक उड्डयन (डीजीसीए) ने 'भारतीय वायुयान अधिनियम 1934' के अन्तर्गत बनाए गए थे जिन्हें 'सिविल एवियेशन रिक्वायरमेंट-2018' (सीएआर) नाम दिया गया था। 12 मार्च, 2021 को 'सीएआर' को बदलकर 'मानवरहित विमान प्रणाली नियम-2021' (यूएएस रूल्स) स्थापित किए गए थे। इन नियमों में ड्रोन से संबंधित मूल अधिनियम जैसे पंजीकरण, लाइसेंस, निजता और सूचना की गोपनीयता तथा उड़ानों से संबंधित प्रावधान किए गए हैं। अगस्त, 2021 में, 'यूएएस रूल्स' में संशोधन करके 'द्रोण नियम 2021' अधिसूचित किए गए थे, जिनमें वर्ष 2022, 2023 और 2024 में निरन्तर संशोधन किए जाते रहे हैं। अप्रैल, 2021 में, शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर, पूरे देश में सुरक्षा बलों को 'यूएएस-रूल्स' से मुक्त करके उन्हें ड्रोन के उपयोग की छूट दे दी गई थी। यद्यपि इसका कानूनी परीक्षण अभी नहीं हो पाया है कि क्या पुलिस ड्रोन के माध्यम से प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले गिरा सकती है अथवा नहीं। यहां यह उल्लेखनीय है कि आंसू गैस का वर्गीकरण गोला-बारूद तथा ख़तरनाक अवयव की श्रेणी में किया जाता है। वर्तमान में लागू नियमों के अनुसार ड्रोनों को उनके वजन के आधार पर पांच श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। 250 ग्राम अथवा उससे कम भार वाले ड्रोन को 'नैनो', 250 ग्राम से 2 किलोग्राम तक के मानवरहित यानों को 'माइक्रो' 2 किलोग्राम से 25 किलोग्राम तक के ड्रोनों को 'स्माल', 25 किलाग्राम से 150 किलोग्राम तक के भार वाले मानवरहित यानों को 'मीडियम' तथा 150 किलोग्राम से अधिक वजन वाले ड्रोनों को 'लार्ज' श्रेणी में रखा गया है। मानवरहित यानों का संचालन करने वाले व्यक्ति के पास 'रिमोट पायलट सर्टिफिकेट' (आरपीसी) होना अनिवार्य है। आरपीसी पाने के लिए व्यक्ति की उम्र 18 वर्ष से अधिक हो तथा वह 10वीं कक्षा पास होना चाहिए। इसके अतिरिक्त उसके पास 'डीजीसीए' द्वारा अधिकृत संस्थान से प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र होना भी जरूरी है। 'नैनो' ड्रोन तथा 2 किलोग्राम वजन से कम वाले गैर-व्यावसायिक मानवरहित यान उड़ाने के लिए 'आरपीसी' की जरूरत नहीं है। हालांकि इस प्रकार के यंत्र केवल 50 फीट की ऊंचाई तथा 25 मीटर प्रति सैकेंड की गति से अधिक नहीं उड़ाए जा सकते हैं। कोई भी मानवरहित यान 400 फीट की ऊंचाई से अधिक नहीं उड़ाया जा सकता तथा ड्रोन हमेशा पायलट की सीधी दृष्टि में होना चाहिए। हवाई अड्डों, मिलिट्री संस्थानों, वन्य संरक्षित क्षेत्र तथा पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों के ऊपर ड्रोन उड़ाने की मनाही है। अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों के 5 किलोमीटर तथा नागरिक हवाई अड्डों के 3 किलोमीटर के दायरे में ड्रोन उड़ाना प्रतिबंधित है। मानवरहित यान का व्यावसायिक प्रयोग करने से पहले डीजीसीए से परमिट लेना आवश्यक है। 'नैनो' केटेगरी के मानवरहित यानों को छोड़कर, बाकी सभी ड्रोनों का मोटर व्हीकल इंश्योरेंस की तर्ज पर थर्ड पार्टी इंश्योरेंस करवाना जरूरी है ताकि दुर्घटना में होने वाले किसी नुकसान की भरपाई की जा सके। शराब पीकर अथवा नशीले पदार्थों का सेवन करके मानवरहित यान का उड़ाना प्रतिबंधित है। चलते हुए वाहन, हवाई जहाज अथवा समुद्री यान से भी ड्रोन उड़ाने की मनाही है। ख़तरनाक और प्रतिबंधित पदार्थों का ड्रोन से गिराना वर्जित है। बिना मालिक की अनुमति लिए किसी की निजी सम्पति के ऊपर ड्रोन उड़ाना निषेध है। ड्रोन नियमों की उल्लंघना करने पर 'भारतीय वायुयान अधिनियम 1934' की धारा 10ए के अन्तर्गत 1 लाख रुपये तक का जुर्माना किया जा सकता है। मानवरहित यान आकाश में घूरती हुई तीसरी आंख की तरह है। समग्र कानून और नियमों के अभाव में आकाश में उड़ते हुए ड्रोन मनुष्य के निजता के अधिकार तथा सुरक्षा से संबंधित अनेक प्रकार की चुनौतियां प्रस्तुत कर रहे हैं। अभी तक मानवरहित यानों को वायुयान की श्रेणी में रखकर नियम बनाए गए हैं, जबकि वायुयान और ड्रोन के प्रयोग, उपयोग और उड़ाने के तौर-तरीके बिल्कुल अलग हैं। यह उचित होगा यदि ड्रोन संबंधित सभी मामलों को समाहित करते हुए एक समग्र कानून बनाया जाए, जिसमें कानून, आवश्यकता और निजता का आनुपातिक संतुलन हो।

लेखक हरियाणा पुलिस में महानिदेशक रहे हैं।

लोकतंत्र की रक्षा की दिशा में एक और पहल

(लेखक- रामरतन चूड़ीवाला)

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने महत्वपूर्ण निर्देश देते हुए देश के सभी राजनीतिक दलों को यह आदेश दिया है कि जिस प्रत्याशी को भी वह संसद के लिए अपना उम्मीदवार बना रहे हैं उसका सारा आपराधिक रिकार्ड, अगर वह अपराधी है, तो चुनाव आयोग को भेजा जाए और साथ ही यह सारी जानकारी सोशल मीडिया तथा समाचार पत्रों के माध्यम से जनता को दी जाए। यह भी कहा गया है कि यह कारण बताया जाए कि आखिर आपराधिक छवि वाले को टिकट क्यों दिया गया। इस आदेश को लागू करने का सारी जिम्मेवारी चुनाव आयोग को सौंपी गई है और यह भी कहा गया है कि इस आदेश का अगर पालन नहीं किया गया तो राजनीतिक पार्टियों पर सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन का केस बनाया जाएगा।

चुनाव आयोग लोकसभा चुनाव के दौरान सर्वोच्च न्यायालय के उस आदेश का सख्ती से अनुपालन कराएगा, जिसमें प्रत्येक उम्मीदवार को अपने विरुद्ध आपराधिक मामलों को अपने शपथपत्र के अतिरिक्त अखबारों एवं न्यूज चैनल के माध्यम से मतदाताओं को अवगत कराने की बात कही गई है।

इसके लिए निर्धारित समय सीमा का भी सख्ती से अनुपालन कराया जाएगा। इसे लेकर आयोग द्वारा सभी निर्वाची पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं।

इसके तहत प्रत्येक उम्मीदवार को उनके खिलाफ आपराधिक मामले (चाहे वे लंबित मामले हों या पूर्व के मामले हों जिनमें वे दोषी ठहराए गए हों) की जानकारी तीन बार अखबारों तथा चैनल के माध्यम से देनी होगी। राजनीतिक दलों को भी अपने उम्मीदवारों के लिए इसका अनुपालन करना होगा। आयोग ने इसका प्रारुप और फान्ट भी तय कर दिया है।

आपराधिक मामलों की जानकारी तीन निर्धारित अवसरों पर देनी होगी, ताकि मतदाताओं को जानने के लिए पर्याप्त समय मिल सके। उम्मीदवारों को ऐसे मामले की जानकारी नामांकन दाखिल की तिथि के पहले चार दिनों के भीतर, इसके बाद अगले 5वें से 8वें दिनों के बीच तथा अभियान के नौवें दिन से अंतिम दिन तक (मतदान की तिथि से दो दिन पहले तक) न्यूनतम 12 फ़ान्ट आकार में उपयुक्त स्थान पर प्रकाशित करानी होगी।

उम्मीदवारों तथा राजनीतिक दलों द्वारा इसका अनुपालन नहीं करने पर निर्वाची पदाधिकारी द्वारा उन्हें नोटिस जारी किया जाएगा। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। आयोग ने इसकी रिपोर्टिंग के लिए भी प्रारुप सभी निर्वाची पदाधिकारियों को भेज दिया है।

सभी राजनीतिक दलों को अपने उम्मीदवारों के आपराधिक मामलों की जानकारी अपनी वेबसाइट पर भी अनिवार्य रूप से देनी होगी ताकि मतदाता उनकी वेबसाइट पर भी जाकर जानकारी प्राप्त कर सकें तथा उम्मीदवारों के आपराधिक मामलों से अवगत हो सकें।

चुनावी सुधारों पर होने वाली तमाम चर्चाओं में राजनीति का अपराधीकरण एक अहम मुद्दा रहता है। राजनीति का अपराधीकरण - 'अपराधियों का चुनाव प्रक्रिया में भाग लेना' - हमारी निर्वाचन व्यवस्था का एक नाजुक अंग बन गया है। हाल ही में जारी आँकड़ों के अनुसार, संसद के 46 प्रतिशत सदस्य आपराधिक पृष्ठभूमि से हैं। लोकसभा में 542 सांसदों में से 233 (43न्न) के खिलाफ आपराधिक मामले लंबित हैं। 233 में से 159 (29न्न) पर गंभीर अपराध के मामले दर्ज हैं। ऐसे सांसदों में से सबसे अधिक केरल और बिहार से हैं।

केरल के इडुक्की लोकसभा के सांसद कुरियाकोस पर सबसे अधिक 204 केस दर्ज हैं। वहीं, राज्यसभा की 233 में से 71 (31न्न) सांसदों पर आपराधिक केस लंबित हैं। 71 में से 37 सांसदों पर गंभीर अपराध के मामले, 2 पर हत्या, 4 पर हत्या का प्रयास, 3 पर महिलाओं के खिलाफ अपराध, 1 पर दुष्कर्म का मामला दर्ज है।

106 सांसदों के खिलाफ केंद्रीय जांच एजेंसियों सीबीआई, ईडी और एनआईए के समक्ष मामले लंबित हैं। सीबीआई के पास 121 पूर्व व वर्तमान सांसदों व विधायकों के मामले लंबित हैं। इनमें से 51 मामले सांसदों से संबंधित हैं। इन 51 में से 37 पूर्व सांसद हैं और 5 की मृत्यु हो चुकी है। एनआईए के पास 4 सांसद व विधायकों के खिलाफ जांच लंबित है। इनमें से 2 सांसद है। ईडी के पास 51 सांसदों के खिलाफ जांच लंबित है।

राजनीति का अपराधीकरण भारतीय लोकतंत्र का एक स्याह पक्ष है, जिसके मद्देनज़र सर्वोच्च न्यायालय और निर्वाचन आयोग ने कई कदम उठाए हैं, किंतु इस संदर्भ में किये गए सभी नीतिगत प्रयास समस्या को पूर्णतः संबोधित करने में असफल रहे हैं।

वर्ष 1993 में वोहरा समिति की रिपोर्ट और वर्ष 2002 में संविधान के कामकाज की समीक्षा करने के लिये राष्ट्रीय आयोग की रिपोर्ट ने पुष्टि की है कि भारतीय राजनीति में गंभीर आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों की संख्या बढ़ रही है।

वर्तमान में ऐसी स्थिति बन गई है कि राजनीतिक दलों के मध्य इस बात की प्रतिस्पर्द्धा है कि किस दल में कितने उम्मीदवार आपराधिक पृष्ठभूमि के हैं, क्योंकि इससे उनके चुनाव जीतने की संभावना बढ़ जाती है।

अपराधियों का पैसा और बाहुबल राजनीतिक दलों को वोट हासिल करने में मदद करता है। चूँकि भारत की चुनावी राजनीति अधिकांशतः जाति और धर्म जैसे कारकों पर निर्भर करती है, इसलिये उम्मीदवार आपराधिक आरोपों की स्थिति में भी चुनाव जीत जाते हैं।

चुनावी राजनीति कमोबेश राजनीतिक दलों को प्राप्त होने वाली फंडिंग पर निर्भर करती है और चूँकि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों के पास अक्सर धन और संपदा काफी अधिक मात्रा में होता है, इसलिये वे दल के चुनावी अभियान में अधिक-से-अधिक पैसा खर्च करते हैं और उनके राजनीति में प्रवेश करने तथा जीतने की संभावना बढ़ जाती है। भारत की राजनीति में अपराधीकरण को बढ़ावा देने में नागरिक समाज का भी बराबर का योगदान रहा है। अक्सर आम आदमी अपराधियों के धन और बाहुबल से प्रभावित होकर बिना जाँच किये ही उन्हें वोट दे देता है।इसके अलावा भारतीय राजनीति में नैतिकता और मूल्यों के अभाव ने अपराधीकरण की समस्या को और गंभीर बना दिया है। अक्सर राजनीतिक दल अपने निहित स्वार्थों के लिये अपराधीकरण की जाँच करने से कतराती हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के इस आदेश को लागू करने का सारी जिम्मेदारी चुनाव आयोग को सौंपी गई है और यह भी कहा गया है कि इस आदेश का अगर पालन नहीं किया गया तो राजनीतिक पार्टियों पर सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन का केस बनाया जाएगा। पिछली संसद में राज्यसभा, लोकसभा दोनों में ही सैकड़ों लोग सभी पार्टियों के अपराध की दुनिया में फंसे हुए बताए गए हैं, जिन पर केस चल रहे हैं। निश्चित ही सर्वोच्च न्यायालय के इस आदेश से राजनीतिक दलों पर भी नकेल कसी जाएगी।

विचार मंथन

आयकर विभाग के 3567 करोड़ के नोटिस ने कांग्रेस को दिया नवजीवन

(लेखक- सनत जैन)

आयकर विभाग ने कांग्रेस को अभी तक आयकर के जो नोटिस भेजे हैं। उसके अनुसार आयकर विभाग ने 3567 करोड़ रुपए का जुर्माना और टैक्स कांग्रेस पार्टी पर निकाला है। कांग्रेस पार्टी ने रामलीला मैदान में स्पष्ट रूप से कहा, उन्हें शनिवार को भी एक नया नोटिस मिला है। जिसमें 1745 करोड रुपए की डिमांड कांग्रेस पार्टी से की गई है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है, कि आयकर विभाग नियम विरुद्ध कार्रवाई कर रहा है। आयकर विभाग खुद अपने ही नियमों का पालन नहीं कर रहा है। वर्ष 94-95 का मामला निकालकर जब पार्टी के अध्यक्ष सीताराम केसरी थे। उस समय का 53 करोड़ 90 लाख रुपए टैक्स लगाया गया है। आयकर विभाग ने 2014-15 के लिए 663.05 करोड़, 2015-16 के लिए 663.89 करोड़, 2016-17 के लिए 417.31 करोड़, वर्ष 2017-18 के लिए 181.99 करोड़, वर्ष 2018-19 के लिए 178.73 करोड़, वर्ष 2019-20 के लिए 918.45 करोड़ तथा 2020-21 के लिए 490.01 करोड रुपए के नोटिस भेजे हैं। यह सब राशि मिलकर 3567 करोड़ रुपए होती है। आयकर विभाग ने कांग्रेस पार्टी के सभी खातों की निकासी पर रोक लगा दी है। कांग्रेस पार्टी के खाते से आयकर विभाग ने 135 करोड़ रुपए निकालकर आयकर विभाग में जमा कर लिए हैं । भारत में राजनीतिक दलों के ऊपर कोई इनकम टैक्स नहीं लगता है। कांग्रेस पार्टी ने जो रिटर्न जमा किया है, उसमें कुछ गलतियां थीं। उन्हीं गलतियों के आधार पर आयकर विभाग ने कांग्रेस पार्टी पर टैक्स और जुर्माना लगाया है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता के घर से छापे के दौरान आयकर विभाग ने एक डायरी जप्त की थी। उस डायरी में कांग्रेस पार्टी के लेनदेन पर टैक्स लगाया गया है। कांग्रेस पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव आयोग में जो रिटर्न दाखिल किया है। उसमें कांग्रेस पार्टी की जो गलतियां आयकर विभाग ने निकालकर टैक्स और जुर्माना लगाया है। भारतीय जनता पार्टी पर उसी तरह की गलती पर कोई कार्यवाही नहीं की गई है। उसी आधार पर यदि भाजपा पर कार्रवाई की जाएगी तो आयकर को 4300 करोड रुपए से ज्यादा का टैक्स जुर्माना भाजपा से वसूल करने का नोटिस जारी करने और खाते बंद करना चाहिए था। कांग्रेस का आरोप है, लोकसभा चुनाव के ठीक पहले कांग्रेस पार्टी पर यह कार्रवाई इसलिए की गई है, ताकि कांग्रेस लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ पाए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का यह भी कहना था, आयकर विभाग द्वारा जानबूझकर भाजपा नेताओं के इशारे पर यह कार्रवाई की गई है। आयकर विभाग ने स्वयं अपने नियम और कानून का उल्लंघन करके कांग्रेस के खाते पर रोक लगाई है। लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद एक सुनियोजित षड्यंत्र के तहत कांग्रेस को चुनाव लड़ने से रोकने के लिए सरकार द्वारा कांग्रेस पर यह कार्रवाई की गई है। कांग्रेस पार्टी जिस तरह से इस मामले को लेकर सरकार, भारतीय जनता पार्टी और चुनाव आयोग को घेर रही है। स्वतंत्रता के 75 वर्षों के इतिहास में यह पहली बार है। जब किसी राजनीतिक दल के खातों पर आयकर विभाग ने रोक लगाई गई हो। कांग्रेस पार्टी अपने पोस्टर बैनर नहीं छपवा रही है। अपने कार्यकर्ताओं और उम्मीदवारों को आर्थिक सहायता नहीं दे पा रही है। जिसके कारण लोकसभा का चुनाव प्रचार करना तो दूर, कांग्रेस के नेताओं को आयकर विभाग ट्रिब्यूनल और अदालतों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। रविवार को रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की रैली हुई। इसमें भी यह सबसे बड़ा मुद्दा था। हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर भी अब आम जनता के मन में विपक्षी दलों के प्रति सहानुभूति देखने को मिलने लगी है। कांग्रेस के उम्मीदवार वोट के साथ मतदाताओं से नोट की भी मांग कर रहे हैं। मतदाताओं को बता रहे हैं, कि सरकार द्वारा उन्हें किस तरीके से चुनाव लड़ने से रोका जा रहा है। मतदाताओं के बीच में भी इसकी सहानुभूति देखने को मिलने लगी है। आम जनता कांग्रेस के उम्मीदवारों को 1 रूपये से लेकर 500 रूपये के नोट जनसंपर्क के दौरान कांग्रेस उम्मीदवार और कांग्रेस के नेताओं को दे रही है। जिससे लगता है, आम जनता की सहानुभूति भी कांग्रेस के साथ जुड़ने लगी है। राहुल गांधी का यह आरोप भी लोगों को सच लगने लगा है, चुनाव के दौरान इस तरह की कार्रवाई इसलिए की गई है कि कांग्रेस पार्टी चुनाव नहीं लड़ पाए। कांग्रेस के ऊपर आयकर विभाग द्वारा जो टैक्स लगाया गया है। खातों से राशि निकालने में जिस तरह से रोक लगाई गई है। यह पूरी तरीके से असंवैधानिक है। कोर्ट कचहरी में कई महीने निकल जाएंगे, तब तक चुनाव पूरा हो जाएगा। इंडिया गठबंधन की रैली में जिसमें 27 राजनैतिक दलों के नेता थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जनवरी-मार्च तिमाही में गुरुग्राम में आवास बिक्री में गिरावट

नई दिल्ली । जनवरी-मार्च तिमाही में गुरुग्राम में आवास की बिक्री सालाना आधार पर 12 प्रतिशत घट गई, जबकि इस दौरान नोएडा में आवासीय संपत्तियों की बिक्री में 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह जानकारी रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक से मिली है। एनारॉक के आंकड़ों से पता चला कि इस साल जनवरी-मार्च में गुरुग्राम के प्राथमिक बाजार (पहली बिक्री) में आवास की बिक्री 12 प्रतिशत घटकर 8,550 इकाई रह गई। यह आंकड़ा एक साल पहले इसी अवधि में 9,750 इकाई था। दूसरी ओर नोएडा में इसी अवधि में आवास की बिक्री 19 प्रतिशत बढ़कर 1,600 इकाई हो गई। पिछले साल की इसी अवधि में यह संख्या 1,350 इकाई थी। एनारॉक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि गुरुग्राम में मांग मजबूत बनी हुई है लेकिन नई आपूर्ति में गिरावट के कारण बिक्री घट गई। कई बिल्डरों को परियोजनाएं शुरू करने की मंजूरी नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद गुरुग्राम में और अधिक आवासीय परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। आंकड़ों के अनुसार जनवरी-मार्च तिमाही में ग्रेटर नोएडा में आवास की बिक्री 19 प्रतिशत घटकर 2,350 इकाई रह गई। समीक्षाधीन अवधि के दौरान गाजियाबाद, फरीदाबाद, भिवाड़ी और दिल्ली में बिक्री लगभग पिछले साल की समान अवधि के समान थी।

वित्त वर्ष 2023-24 में एनटीपीसी की कोयला आपूर्ति और उत्पादन बढ़ा

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी ने वित्त वर्ष 2023-24 में सालाना अधार पर 55 फीसदी अधिक कोयला आपूर्ति की। उसकी खदानों में उत्पादन में करीब 50 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है। कंपनी के बयान के अनुसार उसने 3.415 करोड़ एमटी कोयला भेजा, जबकि 31 मार्च 2024 के ओ खिरी तक कोयला उत्पादन करीब 50 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 3.438 करोड़ एमटी रहा। एनटीपीसी ने पिछले वर्ष की तुलना में वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान अपनी कैप्टिव खदानों से कोयला आपूर्ति में 55 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। बयान के अनुसार यह प्रदर्शन एनटीपीसी की अपनी कैप्टिव खदानों से कोयला उत्पादन बढ़ाने तथा देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए कुशल आपूर्ति सुनिश्चित करने की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

टोयोटा ने मार्च में अब तक की सबसे ज्यादा मासिक बिक्री की

नई दिल्ली । वाहन विनिर्माता टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने मार्च में 27,180 इकाइयां बेचने के साथ अब तक की सर्वाधिक मासिक थोक बिक्री दर्ज की है। कंपनी ने सोमवार को मार्च के थोक बिक्री के आंकड़े जारी करते हुए कहा कि उसकी आपूर्ति पिछले महीने 25 प्रतिशत बढ़कर 22,910 इकाई हो गई। एक साल पहले की समान अवधि में उसने 21,783 वाहनों की बिक्री की थी। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कंपनी ने 2,63,512 इकाइयों की अब तक की सर्वाधिक थोक बिक्री दर्ज की, जो 2022-23 में 1,77,683 इकाइयों की तुलना में 48 प्रतिशत की वृद्धि को` दिखाता है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि हम वित्त वर्ष 2023-24 में 2,63,512 और मार्च 2024 में 27,180 की इकाइयों की बिक्री से काफी खुश हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ती उपभोक्ता मांगों को पूरा करने के लिए काम करते रहेंगे।

वित्तीय धोखाधड़ी के एक मामले में 25 साल के लिए जेल पहुंचा क्रिप्टो-अरबपति

मुंबई ।

दुनिया में क्रिप्टो किंग के नाम से मशहूर क्रिप्टो एक्सचेंज एफटीएक्स के फाउंडर सैम बैंकमैन-फ्रायड कभी अरबों की संपत्ति के मालिक हुआ करते थे। सैम की कभी तूती बोला करती थी। सैम की नेटवर्थ 26 बिलियन डॉलर आंकी गई है। अब सैम को 25 साल जेल की सजा कटना होगा। वित्तीय धोखाधड़ी के दो साल पुराने मामले में अमेरिकी कोर्ट ने उन्हें 25 साल की सजा सुनाई है। सैम को अरबों डॉलर की धोखाधड़ी का दोषी पाया गया है। सैम बैंकमैन-फ्रायड की सजा की खबर से लोगों को बड़ा झटका लगा है। दो साल पुराने मामले में निवेशकों के अरबों रुपये डूब गए। सैम को एफटीएक्स की बर्बादी का दोषी पाया गया। इस अमेरिकी इतिहास की सबसे बड़ी वित्तीय धोखाधड़ी में से एक माना जा रहा है। एफटीएक्स कंपनी के फाउंडर सैम बैंकमैन-फ्रायड को क्रिप्टो-अरबपति और क्रिप्टो की दुनिया का सबसे दिग्गज निवेशक माना जाता था। सैम बैंकमैन ने अमेरिका के सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक- मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से पढ़ाई की है। सैम की शुरू से ही डिजिटल वर्ल्ड में दिलचस्पी थी। सैम ने साल 2013 में इंटरनेशनल ईटीएफ बिजनेस करने वाली एक कंपनी में काम किया। लेकिन, उनकी तकदीर बदली साल 2017 में, जब उन्होंने क्वांटिटेटिव ट्रेडिंग फर्म अल्मेडा रिसर्च की नींव रखी। इसमें अमेरिकी अरबपति कंप्यूटर प्रोग्राम जॉन टालिन ने भी पैसे लगाए। फिर जब अमेरिका के मुकाबले जापान में क्रिप्टो का दाम बढ़ गया, तब सैम ने मुनाफा कमाने की नई तरकीब निकाली। वह अमेरिका से क्रिप्टो खरीदकर जापान में बेचने लगा।

अमेरिका के युवा उद्यमी और एक वक्त क्रिप्टो किंग कहे जाने वाले सैम बैंकमैन-फ्राइड ने साल 2019 में क्रिप्टो एक्सचेंज प्लेफॉर्म एफटीएक्स की नींव रखी। यह जल्द ही दुनिया का सबसे बड़ा क्रिप्टो एक्सचेंज प्लेटफॉर्म बन गया। लेकिन दो साल के भीतर ही कंपनी का दिवाला भी निकल गया।

हिंडनबर्ग प्रभाव से बाहर निकला अदाणी समूह!

नई दिल्ली ।

ऐसा लगता है कि विभिन्न कारोबार से जुड़ा अदाणी समूह अब हिंडनबर्ग प्रभाव से बाहर` निकल गया है। समूह ने एक सप्ताह के भीतर 1.2 अरब डॉलर का तांबा संयंत्र खोला, उड़ीसा में बंदरगाह खरीदा और सीमैंट कंपनी में हिस्सेदारी बढ़ाई। साथ ही अपने प्रतिद्वंद्वी माने जाने वाली मुकेश अंबानी की रिलायंस के साथ करार भी किया है। समूह ने पिछले एक सप्ताह में शेयर बाजारों को दी सूचना और प्रेस विज्ञप्तियों के माध्यम से अपने मुख्य बंदरगाह कारोबार में विस्तार और निवेश, धातु रिफाइनिंग में विविधीकरण, दो साल पुराने सीमैंट क्षेत्र में पूंजी डाले जाने और अपनी वृहत सौर परियोजना के चालू होने के मामले में लगातार हो रही प्रगति की घोषणा की है। विश्लेषकों का कहना है कि पिछले एक सप्ताह में की गई घोषणाएं इस बात का संकेत है कि अदाणी फिर से विस्तार की राह पर है। कंपनी प्रबंधन ने हाल में निवेशकों को दी सूचना में कहा कि समूह ने अपने बुनियादी ढांचे के कारोबार के विस्तार के लिए अगले दशक में सात लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय की योजना बनाई है।

नए वित्त वर्ष के पहले दिन पेट्रोल-डीजल स्थिर

नई दिल्ली ।

नए वित्त वर्ष के पहले दिन सोमवार को तेल कंपनियों ने महानगरों समेत अन्य शहरों में पेट्रोल और डीजल की नई कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.76 रुपये और डीजल 87.66 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.19 रुपये और डीजल 92.13 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.93 रुपये और डीजल 90.74 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.73 रुपये और डीजल 92.32 रुपये प्रति लीटर है। वहीं नोएडा में पेट्रोल 94.81 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.94 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.03 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 99.82 रुपये प्रति लीटर और डीजल 85.92 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.22 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.38 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.39 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.63 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.34 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.16 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.03 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.63 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.74 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

शेयर बाजार नये वित्त वर्ष के पहले ही दिन बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 363 , निफ्टी 135 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेल शेयर बाजार आज सोमवार को नये वित्त वर्ष के पहले ही दिन बढ़त के साथ बंद हुआ। आज दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से भी बाजार ऊपर आया। सुबह बाजार की शुरुआत तेजी से हुई जो अंत तक बनी रही। कारोबार के दौरान दोनो ही मानक सूचकांक सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी अबतक के शीर्ष स्तर पर पहुंचे। एशियाई बाजारों में आये उछाल के साथ ही विदेशी निवेश बढ़ने से भी घरेलू बाजार को बल मिला है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 363.20 अंक करीब 0.49 फीसदी ऊपर आकर 74,014.55 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 603.27 अंक ऊपर आकर अबतक के सर्वोच्च स्तर 74,254.62 अंक तक चला गया था। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 135.10 अंक तकरीबन 0.61 फीसदी बढ़कर 22,462 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय ये 203.05 अंक बढ़कर 22,529.95 अंक के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गय था। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी, लार्सन एंड टुब्रो और एचडीएफसी बैंक के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि दूसरी ओर टाइटन, नेस्ले, भारती एयरटेल और इंडसइंड बैंक के शेयर गिरे हैं। बाजार जानकारों के अनुसार जिस प्रकार से नये वित्त वर्ष की शुरुआत तेजी से हुई है उससे साफ है कि आने वाले समय में बाजार की गति अनुकूल बनी रहेगी। इस भरोसे को दुनिया भर के बाजारों से भी बल मिला है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के जून में नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद से भी दुनिया भर के बाजारों में तेजी रही। इसके अलावा वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में कंपनियों

के बेहतर वित्तीय परिणाम से भी बाजार ऊपर आया है। एशियाई बाजारों की बात करें तो उसमें तेजी रही। दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का शंघाई कम्पोजिट लाभ में जबकि जापान का निक्की नीचे आया। वहीं शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गुरुवार को 188.31 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.10 फीसदी की गिरावट के साथ 86.91 डॉलर प्रति बैरल पर है।

रिजर्व बैंक इस बार भी यथावत रख सकता है नीतिगत दर: विशेषज्ञ

- एक अप्रैल से शुरू वित्त वर्ष में एमपीसी की छह बैठकें होंगी

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) इस बार भी इस सप्ताह पेश होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा में एक बार फिर नीतिगत दर को यथावत बनाए रख सकता हैं। इसकी वजह आर्थिक वृद्धि को लेकर चिंता दूर होने और इसके करीब आठ प्रतिशत रहने के साथ केंद्रीय बैंक का अब और अधिक जोर मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत के लक्ष्य पर लाने पर हो सकता है। विशेषज्ञों ने यह बात कही। साथ ही नीतिगत दर पर निर्णय लेने वाली आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) अमेरिका और ब्रिटेन जैसे कुछ विकसित देशों के केंद्रीय बैंकों के रुख पर गौर कर सकती है। ये केंद्रीय बैंक नीतिगत दर में कटौती को लेकर स्पष्ट रूप से देखो और इंतजार करो का रुख अपना रहे हैं। विकसित देशों में स्विट्जरलैंड पहली बड़ी अर्थव्यवस्था है जिसने नीतिगत दर में कटौती की है। वहीं दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जापान आठ साल बाद नकारात्मक ब्याज दर की स्थिति को समाप्त किया है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास की अध्यक्षता वाली एमपीसी की तीन दिवसीय बैठक तीन अप्रैल को शुरू होगी। मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा पांच अप्रैल को की जाएगी। यह वित्त वर्ष 2024-25 की पहली मौद्रिक नीति समीक्षा होगी। एक अप्रैल से शुरू वित्त वर्ष में एमपीसी की छह बैठकें होंगी। आरबीआई ने पिछली बार फरवरी 2023 में रेपो दर को बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत किया था। उसके बाद लगातार छह द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में इसे यथावत रखा गया है। बैंक ऑफ बड़ौदा के एक मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा` कि मुद्रास्फीति अभी भी पांच प्रतिशत के दायरे में है और खाद्य मुद्रास्फीति के मोर्चे पर भविष्य में झटका लगने की आशंका है, इसको देखते हुए एमपीसी इस बार भी नीतिगत

दर और रुख पर यथास्थिति बनाए रख सकता है। उन्होंने कहा कि जीडीपी अनुमान में संशोधन हो सकता है। इस पर सबकी बेसब्री से नजर होगी। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में आर्थिक वृद्धि उम्मीद से कहीं बेहतर रही है और इसीलिए केंद्रीय बैंक को इस मामले में चिंताएं कम होंगी और वह मुद्रास्फीति को लक्ष्य के अनुरूप लाने पर ज्यादा ध्यान देना जारी रखेगा।

एक अप्रैल से आयकर व्यवस्था में कोई नया बदलाव नहीं: वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में लोगों के लिए नई आयकर व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं किया गया है। व्यक्तिगत करदाता अपना आईटीआर दाखिल करते समय इस व्यवस्था से बाहर निकलने का विकल्प चुन सकते हैं। मंत्रालय ने यह स्पष्टीकरण सोशल मीडिया पर जारी उन सूचनाओं के बाद दिया जिसमें एक अप्रैल से प्रभावी नई कर व्यवस्था में कुछ बदलावों का दावा किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि एक अप्रैल 2024 से कोई नया बदलाव नहीं किया गया है। एक अप्रैल 2023 से शुरू हुए वित्त वर्ष में लोगों के लिए एक संशोधित नई आयकर व्यवस्था लागू की गई थी, जिसके तहत कर दरें काफी कम हैं। हालांकि उसमें पुरानी व्यवस्था की तरह विभिन्न छूट तथा कटौती (वेतन से 50,000 रुपये और पारिवारिक पेंशन से 15,000 रुपये की मानक कटौती के अलावा) का लाभ मौजूद नहीं है। नई कर व्यवस्था डिफ़ॉल्ट कर व्यवस्था है। हालांकि करदाता उस कर व्यवस्था को चुन सकते हैं जो उन्हें लगता है कि उनके लिए फायदेमंद है। नई कर व्यवस्था से बाहर निकलने का विकल्प वर्ष 2024-25 के लिए रिटर्न दाखिल करने तक उपलब्ध है।

नए वित्त वर्ष में दवाइयों की कीमतें 12 प्रतिशत तक बढ़ीं

- एंटीबायोटिक्स से लेकर पेन किलर तक हुई महंगी

नई दिल्ली ।

देश में एक अप्रैल से नये वित्त वर्ष की शुरुआत हो गई है। इसी के साथ ही कई अन्य बड़े नियमों में भी बदलाव हुआ है। वहीं आम जनता को एक और बड़ा झटका लगा है क्योंकि नए वित्त वर्ष में दवाइयों की कीमतों में बड़ा बदलाव हुआ है। 1 अप्रेल से 500 से ज्यादा दवाइयां महंगी हो गई हैं। दवाइयों के भाव में करीब 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। अब लोगों को एंटी-बयोटिक्स से लेकर पेनकिलर तक खरीदने के लिए ज्यादा पैसे चुकाने होंगे। गौरतलब है कि कैंसर, दिल की बीमारी, एनीमिया, मलेरिया, एंटी-सेप्टिक को मिलाकर सभी दवाइयां सोमवार से नए भाव पर मिलेंगी। दरअसल सरकार ने दवा कंपनियों को एनुअल होलसेल प्राइज इंडेक्स (डब्ल्यूपीआई) के अनुसार दवाइयों की कीमत बढ़ाने की अनुमे ति दी है। नियमानुसार दवा कंपनियां एक साल में भावों में 10 प्रतिशत की ही बढ़ोतरी कर सकती है, लेकिन इस बार 2 प्रतिशत ज्यादा यानी 12 प्रतिशत ज्यादा भाव बढ़ाए गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बीते कुछ सालों में फार्मा सेक्टर से जुड़े उत्पाद 15 से 100 प्रतिशत तक महंगे हुए हैं। इन उत्पादों में पैरासिटामोल, ग्लिसरीन, प्रोपलीन ग्लाइकोल, सिरप, सॉल्वैंट्स आदि शामिल हैं। पेनिसिलिन भी महंगी हो गई। इसके चलते भारतीय दवा निर्माताओं ने सरकार ने मेडिसिन फॉर्मूलेशन के दामों में करीब 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने की परमिशन मांगी। अन्य दवाइयों के दामों में भी वे 20 प्रतिशत का इजाफा करना चाहते थे, लेकिन सरकार ने उन्हें 12 प्रतिशत तक की वृद्धि करने की परमिशन दी। साल 2023 में दवा कंपनियों ने 11 प्रतिशत भाव बढ़ाए थे। विटामिन टैबलेट्स, स्टेरॉयड, पेन किलर्स, टीबी, कैंसर, मलेरिया, एचआईवी एड्स,

एंटी-बयोटिक्स, एंटी डोट्स, एनीमिया, पार्किंसंस, डिमेशियां की दवाएं, एंटी-फंगल मेडिसिन, दिल की बीमारी वाली दवाइयां, त्वचा रोग से जुड़ी औषधियां, प्लाजमा, एंटी-वायरल मेडिसिन, एंटीसेप्टिक्स और कीटाणुनाशक दवाइयां महंगी हुई है।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 30 रुपए सस्ता हुआ

नई दिल्ली ।

लगातार 3 महीनों से बढ़ रही गैस की कीमतों में सोमवार को तेल कंपनियों ने लगाम लगाई है। 1 अप्रैल सोमवार को गैस सिलेंडर की कीमतों में 30.50 रुपये तक की कटौती की गई है। हालांकि यह कटौती कॉमर्शियल गैस सिलेंडर पर की गई है, जबकी घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसके पहले मार्च में 25.50 रुपये प्रति सिलेंडर के हिसाब से कीमतों में इजाफा हुआ था। वहीं फरवरी में भी 14 रुपये और जनवरी में 1.50 रुपये बढ़े थे।

अब दिल्ली में एलपीजी सिलेंडर में 30.50 रुपये की कटौती हुई है। कोलकाता में गैस सिलेंडर की कीमतों में 32 रुपये, मुंबई में गैस सिलेंडर की कीमतों में 31.50 रुपये, चेन्नई में सिलेंडर की कीमतों में 30.50 रुपये और की कटौती हुई है। आईओसीएल के मुताबिक दिल्ली में 19 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1764.50 रुपये हो गई है। वहीं पहले यह सिलेंडर 1795 रुपये में मिल रहा था। इसके अलावा कोलकाता में गैस सिलेंडर की कीमत अब कौटती के बाद 1879 रुपये हो गई है। वहीं पहले यह सिलेंडर 1911 रुपये में मिल रहा था।

मुंबई में अब यह सिलेंडर 1717.50 रुपये का हो गया है, पहले 1749 रुपये का था। चेन्नई में कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर अब 1930 रुपये में मिलेगा।

स्मार्ट टीवी शिपमेंट में 16 प्रतिशत की गिरावट

-क्यूएलईडी स्मार्ट टीवी शिपमेंट में हुई बढोत्तरी

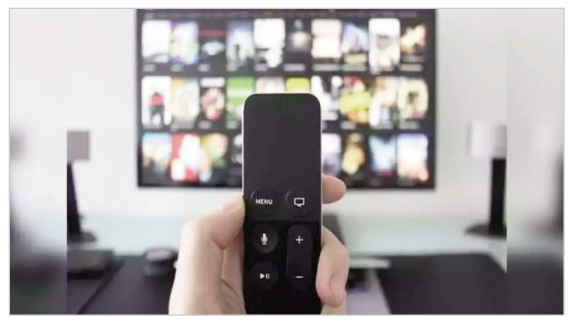

नई दिल्ली ।

साल 2023 में भारत के स्मार्ट टीवी शिपमेंट में 16 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, वहीं क्यूएलईडी स्मार्ट टीवी शिपमेंट में सालाना आधार पर 110 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई। काउंटरप्वाइंट रिसर्च के अनुसार, इस गिरावट का कारण व्यापक आर्थिक चुनौतियों और अतिरिक्त इन्वेंट्री के साथ-साथ पैनल कीमतों में वृद्धि, छोटे स्क्रीन साइज के स्मार्ट टीवी की मांग में कमी के कारण वर्ष की पहली छमाही में धीमी शुरुआत थी, जिसकी वजह से कुछ ब्रांड 2023 में बाजार से बाहर हो गए।शोध विश्लेषक आकाश जटवाला ने कहा, 2023 में बड़े स्क्रीन वाले स्मार्ट टीवी (55-इंच और ऊपर) की शिपमेंट में साल-दर-साल 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ग्राहक अपने लिविंग रूम के लिए बेहतर फीचर्स वाले प्रीमियम मॉडल पसंद करना शुरू कर रहे हैं। डिस्प्ले तकनीक, स्क्रीन साइज और 4के रिजॉल्यूशन उन प्राइमरी स्पेसिफिकेशन में से हैं जिन्हें ग्राहक नई खरीदारी करते समय देखते हैं।

स्पोर्ट्स इवेंट, टीवी सीरीज और फिल्मों की स्ट्रीमिंग के कारण स्मार्ट टीवी लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं।

अनुसंधान विश्लेषक अंशिका जैन ने कहा, स्मार्ट टीवी अब एडवांस डिस्प्ले तकनीकों, गूगल असिस्टेंट और बेज़ल-लेस डिस्प्ले के साथ-साथ डॉल्बी एटमॉस और डॉल्बी विजन से लैस हैं, जिनकी 2023 में समग्र स्मार्ट टीवी शिपमेंट में 21 प्रतिशत की हिस्सेदारी थी।

क्यूएलईडी टीवी लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं।

सोना 69,480 के पार, चांदी भी चमकी

नई दिल्ली ।

सोने के वायदा भाव ने सोमवार को नया रिकॉर्ड बना लिया और यह 69,487 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया। चांदी के वायदा भाव में भी तेजी देखी गई। वै श्विक बाजार में भी सोने के वायदा भाव सार्वजे निक उच्च स्तर परी पहुंच गए। चांदी के वायदा भाव में भी तेजी देखने को मिल रही है। बाजार के जानकार कहते हैं कि अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिज़र्व के ब्याज दरें घटाने की खबर से सोने और चांदी की कीमतों में वृद्धि देखने को मिल रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 1,022 रुपये की तेजी के साथ 68,699 रुपये के भाव पर खुला। बाद में यह 1,215 रुपये की तेजी के साथ 68,892 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 402 रुपये की तेजी के साथ 75,450 रुपये के भाव पर खुला। खुलने के बाद यह 622 रुपये की तेजी के साथ 75,670 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं वै श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में भी तेजी देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोना 2,259.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,238.40 डॉलर था। ` फिलहाल यह 45.70 डॉलर की तेजी के साथ 2,284.10 डॉलर

प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 25.14 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 24.91 डॉलर था।

उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाने के कारण हारी सीएसके : फ्लेमिंग

विशाखापत्तनम । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा है इस मैच में उनकी टीम उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं करने के कारण हारी है। साथ ही कहा दोनों पारियों में पहले छह ओवर में हमारी शुरुआत अच्छी नहीं रही। फ्लेमिंग ने हालांकि महेन्द्र सिंह धोनी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका कोई मुकाबला नहीं ह। धोनी ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए तीन छक्के और चार चौके लगाकर तेजी से 37 रन बनाये थे। आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए धोनी ने अगर तेजी से रन नहीं बनाये होते तो सीएस को करारी हार मिलती। धोनी की पिछले साल घुटने के लिए सर्जरी हुई थी। फ्लेमिंग ने मैच के बाद कहा, 'यह शानदार पारी थी। वह टूर्नामेंट शुरू होने से पहले अभ्यास सत्र से ही अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे। उन्होंने घुटने की चोट से उबरकर वापसी की है। उनकी बल्लेबाजी शानदार रही थी। इससे टीम को सकारात्मक ऊर्जा मिली। कोच ने कहा, 'रन रेट के हिसाब से लक्ष्य के करीब पहुंचना अहम था और वह इस बात को अच्छी तरह से समझते हैं। उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की वह शानदार थी। सत्र की पहली हार के बारे में फ्लेमिंग ने कहा, 'यह परिणाम हमारे आज के कमजोर प्रदर्शन को दिखाता है। हम आज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए। दोनों पारियों में पहले छह ओवर में हमारी शुरुआत अच्छी नहीं रही।

आईपीएल में आज आमने-सामने होंगी आरसीबी और लखनऊ सुपर जॉइंट्स

बेंगलुरु ।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम मंगलवार को लखनऊ सुपर जॉइंट्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले में जीत के इरादे से उतरेगी। आरसीबी को पिछले मैच में हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में वह अब इस मैच को जीत कर किसी प्रकार अपनी लय हासिल करना चाहेगी। आरसीबी की टीम अभी तक तीन मैच में दो अंक लेकर अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। पिछले मैच में केकेआर के खिलाफ मिली हार से वह रन रेट के मामले में भी पिछड़ गयी है। इसके बाद भी आरसीबी की टीम को कमजोर नहीं माना जा सकता है। उसके पास विराट कोहली जैसा स्टार बल्लेबाज है। विराट ने पिछले मैच में भी शानदार बल्लेबाजी की थी हालांकि किसी अन्य खिलाड़ी का साथ नहीं मिलने के कारण वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। टीम के कप्तानी

फाफ डु प्लेसी के खराब फार्म से हालांकि उसकी चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। केकेआर के खिलाफ हार का कारण उसके बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही। आरसीबी को अगर जीत की राह पर लौटना है तो सभी खिलाड़ियों को अपनी-अपनी भूमिका ठीक से निभानी होगी। कोहली के अलावा डु प्लेसी, ग्लेन मैक्सवेल के अलावा कैमरन ग्रीन को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अब तक के मैचों में उसे जीत केवल निचले मध्यक्रम के बल्लेबाजों दिनेश कार्तिक, अनुज रावत और महिपाल लोमरोर के कारण ही मिली है पर अब उसके शीर्ष और मध्यक्रम के बल्लेबाजों को भी जमकर रन बनाने होंगे। अब तक अफसल रहे रजत पाटीदार को इस मैच में शायद ही जगह मिले। उनकी जगह पर युवा सुयस प्रभुदेसाई को अवसर मिल सकता है। बल्लेबाजी के साथ ही आरसीबी को अपनी गेंदबाजी में भी सुधार करना होगा। अभी तक उसके मुख्य गेंदबाज तक विफल रहे हैं। तेज गेंदबाजी की शुरुआत करते हुए मोहम्मद सिराज विफल रहे हैं। वह अभी तक तीन मैच में दो विकेट ही ले पाये हैं। इसके अलावा वह रन भी नहीं रोक पाये हैं। सिराज के अलावा अलजारी जोसेफ का भी यही हाल है। वह भी अभी तक केवल एक विकेट ही ले पाये हैं। उन्होंने भी 9.4 रन प्रति ओवर की दर से रन दिये हैं। ऐसे में उनकी जगह पर लॉकी फर्ग्यूसन को अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है।

वहीं दूसरी ओर सुपर जॉइंट्स की राह भी आसान नहीं है। उसके कप्तान केएल राहुल अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं। इसी कारण पिछले मैच में निकोलस पूरन ने कप्तानी संभाली थी और राहुल इंपैक्ट खिलाड़ी के तौर पर उतरे थे। इस मैच से पहले अगर वह फिट हुए तो टीम की कप्तानी करते हुए दिखेंगे। टीम की ओर से पिछले मैच में तेज गेंदबाज मयंक यादव ने शानदार गेंदबाजी की थी। ऐसे में मयंक अपने प्रदर्शन को इस मैच में भी बरकरार रखना चाहेंगे। लखनऊ की बल्लेबाजी क्विंटन डी कॉक , देवदत्त पडिक्कल और निकोलस पूरना पर आधारित होगी। स्पिन की कमान रवि बिश्नोई संभालेंगे।

मैदान में वापसी के बाद ऋषभ ने अपने पुराने अंदाज में लगाया पहला अर्धशतक

विशाखापट्टनम ।

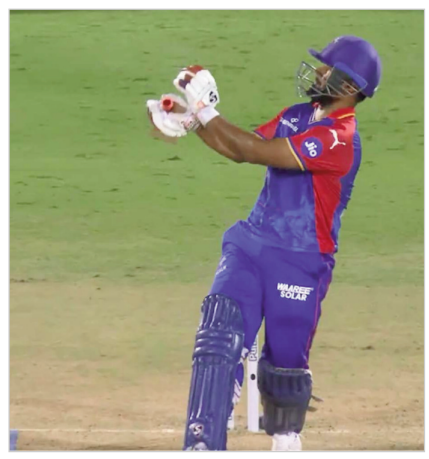

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत ने आईपीएल 2024 के एक अहम मुकाबले में यहां चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ आक्रामक पारी खेलते हुए अर्धशतक लगाकर अपने प्रशंसकों का दिल जीत लिया। अपनी पारी के दौरान ऋषभ अपने पुराने अंदाज में नजर आये और उन्होंने एक हाथ से छक्का भी लगाया। इस दौरान कई बार उनके हाथ से बल्ला भी छूटता देखा गया। कार हादसे के 14 महीने बाद वापसी करते हुए ये उनका तीसरा मैच था। पहले दो मैचों में वह अधिक रन नहीं बना पाये पर इस मैच में वह अपने परंपरागत अंदाज में दिखे। सीएसके के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने अर्धशतक लगाया और टीम का स्कोर 191 तक पहुंचाया। उन्होंने 32 गेंदों पर चार चौके और दो छक्के लगाकर 51 रन बनाये। इसके साथ ही कई रिकॉर्ड भी बनाये। अब उनके नाम विकेटकीपर के तौर पर 127 छक्के हो गये हैं और वह तीसरे नंबर पर आ गये हैं। आईपीएल में बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड महेंद्र सिंह धोनी का है। धोनी के नाम 234 छक्के हैं। वहीं दिनेश कार्तिक 132 छक्कों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इसी तरह संजू सैमसन के नाम 125, डीकॉक के नाम 112 और केएल राहुल के नाम 111 छक्के हैं। कैपिटल्स की ओर से अब ऋषभ के नाम 17 अर्धशतक हो गये हैं। दिल्ली के लिए सबसे ज्यादा अर्धशतक डेविड वार्नर के नाम 24 हैं।

आईपीएल 2024 : ऋषभ के शानदार प्रदर्शन से दिल्ली कैपिटल्स ने सत्र का अपना पहला मुकाबला जीता

विशाखापत्तनम । कप्तान ऋषभ पंत और डेविड वार्नर के शानदार अर्धशतकों की सहायता से दिल्ली कैपिटल्स ने यहां खेले गये आईपीएल मुकाबले में चेन्नई सुपरकिंग्स को 20 रनों से हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली कैपिटलस ने निर्धारित 20 ओवरों में 191 रन बनाये। इसमें ऋषभ की आक्रामक पारी की अहम भूमिका रही। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके 171 रन ही बना पाई। जीत दर्ज करने के बाद दिल्ली के कप्तान ने कहा कि हमें गलतियों से सबक सीखने के कारण ये सफलता मिली है। उन्होंने पारी की अच्छी शुरुआत का श्रेय पृथ्वी शॉ को दिया। साथ ही कहा कि शुरुआत में बल्लेबाजी के दौरान मुझे थोड़ा समय लगा क्योंकि मैंने पिछले सवा साल में क्रिकेट नहीं खेला है। मेरा लक्ष्य था कि किसी प्रकार मैदान में वापसी करनी ही है। इस मैच में सीएसके की ओर से आजिंक्य रहाणे और डेरिल मिशेल के अलावा महेंद्र सिंह धोनी ही दिल्ली के गेंदबाजों का सामना कर पाये बाकि बललेबाजी असफल रहे। धोनी ने 16 गेंदों पर 37 रन बनाये पर ये जीत के लिए पर्याप्त नहीं थे।

आईपीएल में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले दूसरे भारतीय बने धोनी

विशाखापट्टनम ।

आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिल्स के खिलाफ हुए एक अहम मुकाबले में अपनी आक्रामक पारी के साथ ही चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। धोनी ने इस मैच में 16 गेंद पर 37 रन बनाये। इस दौरान उन्होंने 3 छक्के लगाए और 4 चौके लगाये। धोनी अपनी इस आक्रामक पारी के साथ ही आईपीएल में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाजी बन गये हैं। इस दौरान उन्होंने विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया। सबसे अधिक छक्के लगाने के मामले में रोहित शर्मा नंबर एक पर हैं। रोहित के नाम 261 छक्के हैं। वहीं धोनी के नाम अब 242 छक्के हो गये हैं जबकि विराट कोहली के नाम 241 छक्के हैं। वहीं आईपीएल में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले दूनिया भर के बल्लेबाजों में धोनी पांचवें नंबर पर आ गये हैं। वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम सबसे अधिक 357 छक्के हैं। रोहित ने आईपीएल में धोनी से ज्यादा छक्के लगाए हैं। दोनों के बीच 19 छक्कों का अंतर है। ऐसे में धोनी का रोहित से आगे निकलना संभव नजर नहीं आता है पर विराट कोहली के साथ उनका मुकाबला जारी रह सकता है क्योंकि दोनो के बीच केवल एक छक्के का अंतर है। वहीं दिल्ली

कैपिटल्स के ऑस्ट्रेलियन बैटर डेविड वॉर्नर के नाम 234 छक्के हैं और वह भी इनके करीब आ सकते हैं। वार्नर सबसे अधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में छठे नंबर पर हैं। इसके अलावा कीरोन पोलार्ड, सुरेश रैना और आंद्र रसेल भी 200 से अधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

बोल्ट और चावला बोले, अन्य बातें छोड़कर अपने काम पर ध्यान दें हार्दिक

मुंबई । न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने कहा है कि मुम्बई इंडियंस के खराब प्रदर्शन के कारण दर्शकों की हूटिंग का शिकार हो रहे टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या को इन सब बातों पर ध्यान न देते हुए अपना काम करना चाहिये। बोल्ट ने कहा कि आप किसी अन्य को नियंत्रित नहीं कर सकते हैं ,इसलिए अच्छा होगा कि अपने काम पर ध्यान लगायें। पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर आपको इस पकार के हालातों से भी गुजरना होता है। आपको इस पर ध्यान नहीं देते हुए अपने काम पर ही ध्यान लगाए रखना चाहिये। यह हालांकि आसान नहीं है। बोल्ट ने पंड्या का समर्थन करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में इस प्रकार की स्थिति नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि इस देश में बहुत सारे उत्साही प्रशंसक हैं और हार्दिक की जहां तक बात है। वह मेरे पसंदीदा भारतीय क्रिकेटरों में से एक है। मुझे नहीं लगता कि इस प्रकार उनकी हूटिंग बहुत लंबे समय तक चलेगी। मुझे भरोसा है कि वह उन लोगों में से एक है जो अपने काम पर ही ध्यान देते हैं। वहीं मुंबई इंडियंस के अनुभवी स्पिनर पीयूष चावला ने भी कहा कि टीम एक बार जीतने लगी जो उन्हें दर्शकों के इस प्रकार के व्यवहार का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही कहा कि अभी आप कुछ नहीं कर सकते क्योंकि वे दर्शक हैं और वे जो करते हैं उस पर हमारा नियंत्रण नहीं है। इसलिए हम कुछ नहीं कह सकते कि वे क्या कर रहे हैं। ऐसे में हार्दिक को केवल अपने खेल पर ध्यान लगाना होगा।

भारत के अहलावत इंडिया ओपन गोल्फ में संयुक्त दूसरे स्थान पर रहे

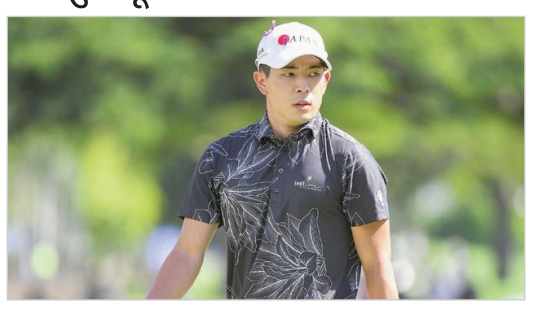

गुरुग्राम । भारत के वीर अहलावत यहां हुए हीरो इंडियन ओपन गोल्फ में संयुक्त रुप से दूसरे स्थान पर रहे हैं। अहलावत ने चौथे और अंतिम दिन एक अंडर 71 का कार्ड खेला। उनका डीपी वर्ल्ड टूर स्पर्धा में यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इस स्पर्धा में जापान के कीता नकाजिमा नंबर एक पर रहे। वहीं अहलावत दिन के आपने आखिरी होल में ईगल लगाने में सफल रहे जिससे उनका कुल स्कोर 275 पहुंच गया। वहीं नकाजिमा ने 73 का कार्ड खेलकर अपना पहला खिताब हासिल किया। अहलावत ने अपने शानदार प्रदर्शन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि 'मैं वास्तव में खुश हूं कि मैंने अच्छा प्रदर्शन किया है। मनु गंडास 71 और करणदीप कोचर 69 नौ अंडर 279 और आठ अंडर 280 के कुल स्कोर के साथ ही 11वें और 13वें स्थान पर रहे।

चानू ने विश्वकप में तीसरा स्थान हासिल कर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया

फुकेट ।

भारत की शीर्ष महिला भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने आज से यहां शुरु हुए आईडब्ल्यूएफ विश्व कप में तीसरा स्थान हासिल किया है। इसी के साथ ही चानू ने आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। चानू महिला वर्ग के ग्रुप बी में 49 किग्रा भार वर्ग में तीसरे स्थान पर रहीं। मीराबाई ने चोटिल होने के कारण छह महीने के बाद वापसी करते हुए कुल 184 किग्रा (81 किग्रा और 103 किग्रा) वजन उठाया।

आईडब्ल्यूएफ विश्व कप पेरिस ओलंपिक के लिए अंतिम और अनिवार्य क्वालीफायर टूर्नामेंट था। इस स्पर्धा में तीसरे स्थान पर आने के साथ ही मीराबाई ने पेरिस ओलंपिक के लिए तय मानदंड पूरे कर लिए हैं। इमसें दो अनिवार्य टूर्नामेंट और तीन अन्य क्वालीफायरों में भाग लेना भी शामिल था। मीराबाई अभी महिलाओं के 49 किग्रा ओलंपिक क्वालिफिकेशन रैंकिंग (ओक्यूआर) में चीन की जियान हुईहुआ के बाद दूसरे स्थान पर हैं।

नियमों के अनुसार प्रत्येक भार वर्ग से शीर्ष 10 भारोत्तोलकों को ही पेरिस ओलंपिक के लिए टिकट मिलेगा। मीराबाई ने इससे पहले अंतिम बार पिछले साल सितंबर में एशियाई खेलों में भाग लिया था पर यहां चोटिल होने के कारण वह शीर्ष स्तर का प्रदर्शन नहीं कर पाई थीं। वह एशियाई

खेलों में स्नैच और क्लीन एवं जर्क में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के करीब भी नहीं पहुंच पाई थीं। उनका स्नैच में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 88 किग्रा है, जबकि उन्होंने 2021 में एशियाई चैंपियनशिप में क्लीन एंड जर्क में 119 किग्रा वजन उठाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था।

मीराबाई पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाली एकमात्र भारतीय भारोत्तोलक होंगी।

पथिराना ने छलांग लगाकर पकड़ा शानदार कैच

विशाखापट्टनम । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के मथीशा पथिराना ने यहां खेले गये आईपीएल मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर का एक शानदार कैच पकड़ा है। इस कैच की महेन्द्र सिंह धोनी ने भी जमकर प्रशंसा की। इस मैच में दिल्ली की ओर से पावरप्ले में पृथ्वी शॉ ने डेविड वॉर्नर के साथ अच्छी शुरुआत की। इन दोनों ने ही शुरुआती 9.3 ओवरों में 93 रन बना दिये। इसी दौरान वार्नर ने एक जबरदस्त शॉट लगाया पर पथिराना ने फुर्ती से अपनी दायीं ओर छलांग लगाते हुए कैच लपक लिया। पथिराना के इस कैच को देखकर वॉर्नर भी हैरत में पड़ गये। इस दौरान धोनी ने ताली बजाकर पथिराना को शाबाशी दी। पथिराना ने इस दौरान एक ही ओवर में अपने यॉर्कर से मिचेल मार्श और ट्रिस्टन स्टब्स के विकेट लिए। ये मामला 15वें ओवर का है। इस दौरान पथिराना करीब 150 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से गेंदबाजी कर रहे थे। उन्होंने सबसे पहले मिचेल मार्श और उसके बाद ट्रिस्टन स्टब्स के विकेट लिए। इस मैच में हालांकि खराब बल्लेबाजी के कारण सीएसके को 20 रनों से हार का सामना करना पड़ा।

17 अप्रैल को होने वाले आईपीएल मुकाबले में बदलाव की संभावना

मुम्बई । 17 अप्रैल को कोलकाता के ईडन गार्डन में खेले जाने वाले आईपीएल मुकाबले के दिन और स्थल में बदलाव की संभावनाएं हैं। ये मैच कोलकाता नाईट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला जाएगा। इस मैच में बदलाव इसलिए करना पड़ रहा है क्योंकि 17 अप्रैल को ही रामनवमी का त्योहार पड़ रहा है जिसके कारण उस दिन मुकाबला कराये जाने की संभावना नहीं है। ऐसे में माना जा रहा है कि इस मुकाबले के दिन के साथ ही मैच स्थल भी बदला जा सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार इसको लेकर भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) और बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) की कोलकाता पुलिस से बातचीत भी हुई है। बीसीसीआई को अभी इस मामले में अंतिम फैसला करना है। आईपीएल के एक अधिकारी ने कहा, पुलिस अधिकारियों के साथ बातचीत जारी है और हम शीघ्र ही इस मामले में फैसला लेंगे। इसके अलावा लोकसभा चुनावों के कारण भी कई मुकाबलों के स्थल और दिन में बदलाव की संभावना जतायी जा रही है।

धोनी का इस आईपीएल सत्र के बाद संन्यास लेना तय नजर आ रहा

मुम्बई ।

आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स को पांच बार खिताब जिताने वाले पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का ये अंतिम आईपीएल है। इसके सत्र के बाद उनका खेल को अलविदा कहना तय है। धोनी ने इसके संकेत भी दे दिये है। इस सत्र से पहले उन्होंने कप्तानी भी इसी कारा छोड़ दी थी। पिछले कुछ वर्षों से उनके आईपीएल से संन्यास की योजना भी चल रही है पर टीम को सही नेतृत्व नहीं मिल पाने के कारण वह टीम के साथ बने हुए हैं। पिछले साल उन्होंने टीम को पांचवां खिताब दिलाया था जबकि उससे पहले साल 2022 सत्र में रविंद्र जडेजा को कप्तानी सौंपी गई थी पर वह फैसला गलत साबित हुआ मजबूरन धोनी को बीच में ही कप्तानी संभालनी पड़ी। वहीं इस बार रुतुराज गायकवाड़ को उन्होंने कप्तानी सौंपी है।

जिन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में अब धोनी बिना किसी हिचक के संन्यास ले सकते हैं। धोनी ने सबसे ज्यादा मैचों 226 मैचा में कप्तानी की है और 100 से ज्यादा मैच जीते हैं। उनकी कप्तानी में उनकी टीम ने 133 मैच चेनई सुपर किंग्स ने 128 और राइजिंग पुणे सुपर सुपरजाएंट्स ने 5 जीते हैं। धोनी के रहत ही चेन्नई सुपर किंग्स 10 बार फइनल में पहुंची और 5 बार खिताब अपने नाम किया।

अब गायकवाड़ को कप्तानी सौंपना और उनका सफल होना दिखाता है कि धोनी के संन्यास का सही समय आ गया है। वहीं सीएसके के ही सदस्य रहे सुरेश रैना ने कहा , मुझे धोनी ने कहा था, मैं एक बार और ट्रॉफी

जीतकर उसके बाद एक साल तक और खेलूंगा। पिछले साल सुपर किंग्स ने ट्रॉफी ही जीती थी और धोनी ने कहा था कि वह एक साल और खेल सकते हैं। ऐसे में हो सकता है कि यह वह साल हो जब धोनी फ्रेंचाइजी क्रिकेट को भी अलविदा कह डालें।

मोहित बढ़ती उम्र के साथ बेहतर होते जा रहे : शास्त्री

अहमदाबाद । गुजरात टाइटन्स के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहित शर्मा ने आईपीएल 2024 में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 'डेथ ओवरों में शानदार गेंदबाजी करते हुए बल्लेबाजों को रन बनाने से रोककर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस मैच में मोहित ने 25 रन देकर तीन विकेट लिए। इससे सनराइजर्स की टीम अपने पारी के दौरान आठ विकेट पर 162 रन ही बना पायी। 35 साल के मोहित को इस मैच में अच्छे प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। इसपर पूर्व क्रिकेट से कमेंटेटर बने रवि शास्त्री ने कहा कि उम्र बढ़ने के साथ ही मोहित और बेहतर होते जा रहे हैं। इस पर मोहित ने कहा कि मुझे यह याद दिलाने के लिए धन्यवाद कि मेरी उम्र बढ़ रही है। इस मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 7 विकेट से जीत मिली। सनराइजर्स इस मैच में 162 रन ही बना पायी थी। उसकी ओर से केवल अब्दुल समद और अभिषेक शर्मा ही 29-29 रन बना पाये थे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात की टीम ने तीन विकेट खोकर मैच जीत लिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गर्भावस्था

छोटी-छोटी बातों का रखें ख्याल

गर्भावस्था जीवन की एक महत्वपूर्ण अवस्था है, जिसमें महिला को न सिर्फ अपना, बल्कि अपने होने वाले शिशु के स्वास्थ्य का भी ख्याल रखना होता है। गर्भावस्था का परिणाम एक स्वस्थ मां और स्वस्थ शिशु होना चाहिए। गर्भावस्था में उचित खुराक, आराम, व्यायाम, चिकित्सकीय देखभाल, जांचों और जरूरत पड़ने पर कुछ दवाओं की जरूरत होती है। इन सभी पहलुओं पर ध्यान देना आवश्यक है।

गर्भावस्था के प्रारंभिक तीन महीनों में कई महिलाओं को मॉर्निंग सिकनेस या जी मचलाने या मितली आने की शिकायत होती है। इस अवधि में सुबह बिस्तर से निकलने से पहले ही सूखा बिस्किट खा लें। थोड़ी बहुत चाय-कॉफी और हल्का खाना, फल, सलाद खाते रहें। बच्चे के समुचित विकास के लिए मां की खुराक में ज्यादा कैलोरी, प्रोटीन, आयरन और कैल्शियम आवश्यक है।

आमतौर पर भारतीय शाकाहारी होते हैं। इसलिए खुराक में प्रोटीन की आपूर्ति के लिए दालों और अंकुरित अनाज भी खाना आवश्यक है। यदि चार-पांच प्रकार की दालें मिलाकर बनाएं तो और अच्छा है। इनके अलावा मूंगफली, छोले, राजमा, भुने चने और हो सके तो सूखे मेवे का नियमित सेवन करना चाहिए। सोयाबीन भी प्रोटीन का बहुत अच्छा स्रोत है।

महिलाओं में लौह तत्व की कमी से एनीमिया होना भी बहुत अधिक पाया जाता है। इससे बचने के लिए हरी पत्तेदार सब्जियां, फल, सलाद खाना आवश्यक है। आयरन की गोली अवश्य लें। विटामिन-सी के सेवन से आयरन का अच्छी तरह से अवशोषण होता है। कैल्शियम के लिए आहार में रोज प्रचुर मात्रा में दूध, दही या मट्ठा होना चाहिए। कमी अधिक हो तो कैल्शियम की गोली भी लेना चाहिए।

हर गर्भवती महिला को रात में कम से कम आठ घंटे की नींद जरूर लेना चाहिए। साथ ही दिन में भी एक-दो घंटा आराम की जरूरत है। गर्भावस्था में रोजमर्रा का हल्का-फुल्का काम किया जा सकता है, लेकिन भारी काम से पूरी तरह परहेज करें। साथ ही उचित व्यायाम करना आवश्यक है। गर्भावस्था के व्यायाम की जानकारी स्त्री रोग विशेषज्ञ से ले सकते हैं। विशेषज्ञ से सलाह लिए बगैर मन से व्यायाम न करें। बेहतर होगा कि व्यायाम योग्य प्रशिक्षक की मौजूदगी में करें।

भ्रांतियों से दूरी बनाएं

कई घरों में यह मान्यता होती है कि गर्भावस्था के सातवें-आठवें महीने तक डॉक्टरी जांच की कोई आवश्यकता नहीं होती है, जो सरासर गलत है। मासिक धर्म रुकने के तुरंत बाद ही डॉक्टरी जांच करवाकर निश्चित करवाएं की आप गर्भवती हैं। पहले छह महीने तक एक-एक महीने के अंतराल से जांच करवाना चाहिए। सातवें महीने से हर पंद्रह दिन में जांच करवाएं। नवां महीने लगने पर हर हफ्ते जांच की आवश्यकता होती है। कुल मिलाकर कम से कम दस बार जांच होना चाहिए।

चिकित्सक की सलाह मानें

डॉक्टर की सलाह के अनुसार परीक्षण और आवश्यकतानुसार सोनोग्राफी होना चाहिए। पहली सोनोग्राफी जांच ड़ेढ़-दो महीने की गर्भावस्था में ही की जाती है। इससे भ्रूण की स्थिति के सही निदान के साथ ही प्रसव की सही तारीख भी तय की जा सकती है। इसके बाद चौथे महीने में यानी कि सोलह से अठारह हफ्ते में सोनोग्राफी करवाकर गर्भस्थ भ्रूण के अंदर कोई जन्मजात गड़बड़ी जैसे कि हृदय, सिर में, रीढ़ में या पेट में गड़बड़ी हो तो उन्हें देख लिया जाता है।

तिम तिमाही में रहें सावधान

सातवें-आठवें महीने में सोनोग्राफी से गर्भनाल की स्थिति, शिशु का वजन, बच्चेदानी के अंदर का पानी सभी की जांच होती है। आपके डॉक्टर को जरूरत पड़ने पर सातवें महीने के बाद एक से अधिक सोनोग्राफी की जरूरत हो सकती है।

भ्रूण का विकास कम हो तो क्या करें

यदि बच्चे में विकास की दर कम हो तो पहले यह सुनिश्चित करें कि मां गर्भावस्था के दौरान कोई बीमारी जैसे ब्लड प्रेशर (रक्त चाप), डायबिटीज (मधुमेह) से तो पीड़ित नहीं थी। यदि वह बीमार है तो कलर डॉप्लर सोनोग्राफी की जरूरत पड़ सकती है। इसमें शिशु के धमनियों में रक्त का प्रवाह कैसा है, इसे जांचा जाता है और आने वाले खतरों की चेतावनी मिलती है।

न कराएं लिंग परीक्षण

ध्यान रहे कभी भी शिशु का लिंग परीक्षण करवाने के लिए सोनोग्राफी न करवाएं। यह न केवल आपके और समाज के लिए हानिकारक है वरन्? कानूनन अपराध भी है। प्रसूति विशेषज्ञ द्वारा नियमित रूप से आपकी खून की एवं पेशाब की जांचें करवाई जाएंगी। हिमोग्लोबिन की जांच गर्भावस्था में तीन-चार बार करवाना आवश्यक है। आपका रक्त समूह (ब्लड ग्रुप) जानना जरूरी है। यह भी तय करें कि आप आर.एच. निगेटिव तो नहीं हैं। सातवें महीने में ग्लूकोज देकर शुगर की जांच होती है। पेशाब की जांच से यूरिनरी इंफेक्शन का पता चलता है। इन सबके अलावा एचआईव्ही और हिपेटाइटिस बी की जांच करवा लेना चाहिए।

टिटेनस के टीके

गर्भावस्था में महिला को टिटेनस टॉक्साइड के दो इंजेक्शन चार से छह हफ्ते के अंतराल से लगते हैं, जिनसे मां और नवजात शिशु दोनों में टिटेनस की रोकथाम होती है। जिन महिलाओं की गर्भावस्था सामान्य रहती है, उनको ज्यादा चिंता की जरूरत नहीं, लेकिन कई बार गर्भावस्था हाई-रिस्क या असामान्य श्रेणी में आती है।

क्या आपका बच्चा पूरी रात आराम से सोता है? कई बार माताएं शिकायत करती हैं कि उनका बच्चा पूरी रात ठीक से नहीं सोता, जिस वजह से उन्हें भी रातभर जाग कर शिशु की देखभाल करनी पड़ती है। पहले तो दिनभर के काम निपटाओ और फिर जब रात को सोने की बारी आती है तो बच्चा सोने नहीं देता। ऐसी ही समस्या का समाधान आज हम यहां पर देगें, जिससे आपका बच्चा आराम से रात को सो सकेगा और आप भी चैन की नींद लेंगी।

क्या आपका बच्चा रातभर आराम से सोता है?

इन तरीकों से सुलाएं अपने बच्चे को

अच्छी तरह से खिलाएं

पेट भरा हुआ होने से बच्चे को अच्छी नींद आएगी। अगर आप बच्चे को स्तनपान करवाती हैं तो उस पर भी ध्यान रखें कि उसने अच्छी तरह से दूध पी लिया हो। दिन में बच्चे को रोशनी में खाना खिलाएं लेकिन रात होने पर किसी शांत जगह पर और अंधेरे में ही खिलाएं। इससे बच्चे को अच्छी नींद आ जाती है।

दिन में कम सुलाएं

अगर बच्चे को पूरी रात बिना जगाए सुलाना है तो दिन में उसे कम सुलाएं। दिन में दूध या खाना खिलाने के तुरंत बाद सुला दें और फिर अपना सारा काम निपटा लें। पर उतना ही सुलाएं जितनी उसको जरुरत हो वरना ज्यादा सोने से उसे रात में नींद नहीं आएगी।

अपने बच्चे के पास रहें

सोते समय जब आप अपने बच्चे के पास लेटती हैं, तब बच्चा खुद को सुरक्षित महसूस करता है। कुछ बच्चों को यह महसूस हो जाता है कि मां उसके पास मौजूद नहीं है, इसलिये वह झट से उठ जाता है और रोने लगता है। इसलिये बच्चे के सोने के 10-15 मिनट बाद ही बिस्तर से उठें।

एक ही रूटीन का पालन करें

अगर बच्चे को एक समय पर ही सुलाना चाहती हैं तो रुटीन का पालन करें। कभी जल्दी और कभी देर से न सुलाएं, इससे आप ही को परेशानी होगी। बच्चे को रोज एक ही समय पर खाना खिलाएं और फिर सुलाएं।

आरामदायक बिस्तर

अगर कमरे में अंधेरा हो और मुलायम बिस्तर हो तो बच्चे को अच्छी नींद आती है। बच्चे के लिये एक अलग से कंबल या चादर रखें, इससे बच्चा आराम से खुद के बिस्तर और कंबल में बिना परेशानी के सो सकता है।

फायदेमंद है ममा का क्रिएटिव होना

नई-नई मम्मी बनी महिलाओं के अलावा ये खबर ममी टू बी ज के लिए भी बेहद अच्छी है। एक शोध ने बताया है कि पार्ट टाइम काम करने वाली या किसी भी अन्य क्रिएटिव काम में बिजी रहने वाली मम्मियां कई तरह की परेशानियों से दूर रह सकती हैं। चलिए मुद्दे पर आते हैं। असल में पिछले दिनों हुए एक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया कि वे महिलाएं, जिन्होंने कुछ ही महीने या हफ्ते पहले बच्चे को जन्म दिया हो, अगर पार्ट टाइम किसी संस्थान में काम करती हैं या फिर घर में बच्चे की देखभाल से बचे समय में पेंटिंग, संगीत, लेखन या अन्य किसी क्रिएटिव काम से जुड़ी रहती हैं तो वे तनाव, डिप्रेशन आदि से काफी हद तक दूर रहती हैं।

यही नहीं अन्य महिलाओं की तुलना में ऐसी महिलाएं ज्यादा स्वस्थ भी रहती हैं और उनके बच्चे भी ज्यादा क्रिएटिव होते हैं। असल में किसी भी काम में व्यस्त रहने से आपका दिमाग उन नकारात्मक चीजों में उलझने से बच जाता है जो आपको खाली बैठे में घेर सकती हैं। चाहे फिर वे नकारात्मक भावनाएं या उलझनें आपके परिवार, आस-पड़ोस या अन्य किसी भी मुद्दे से जुड़ी क्यों न हों।

साथ ही क्रिएटिव काम या मनपसंद काम को करने से जो पॉजिटिव एनर्जी आपको मिलती है वह बच्चे के साथ समय गुजारने में आपकी मदद करती है। वहीं भावनात्मक तौर पर भी आप मातृत्व की जिम्मेदारी उठाने के लिए और मजबूत बनती हैं। इसका यह मतलब कतई नहीं है कि आप सेहत को नुकसान पहुंचाकर कोई काम शुरू करें या अपने आराम के समय से समझौता करें। असल बात सिर्फ मानसिक तौर पर आपके किसी क्रिएटिव चीज में डूबने से जुड़ी है। यानी दिमाग को अच्छी खुराक मिलेगी और आप बच्चे के साथ को और भी अच्छी तरह एंजॉय कर पाएंगी।

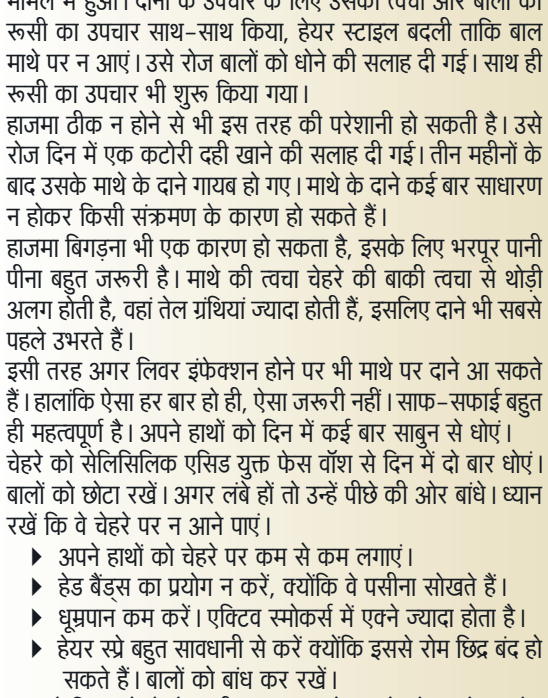

गर्मियों की बड़ी समस्या

एक्ने

अक्सर गर्म मौसम में तैलीय त्वचा वाले युवाओं को पीड़ाजनक एक्ने का अनचाहा सामना करना पड़ता है। बार-बार की सावधानियां भी इस तकलीफ को रोक नहीं पाती और पीडित झुंझला उठता है। कई बार सही जानकारी का अभाव भी एक्ने का जनक हो सकता है।

आप यही उदाहरण देख लीजिए

18 वर्षीय एक युवती के माथे पर अचानक छोटे-छोटे दाने उभर आए। बालों में कई समय से रूसी होने के कारण ये दाने हो गए थे। सौंदर्य समस्याएं कई बार सेहत से जुड़ी होती हैं। जैसा इस युवती के मामले में हुआ। दानों के उपचार के लिए उसकी त्वचा और बालों की रूसी का उपचार साथ-साथ किया, हेयर स्टाइल बदली ताकि बाल माथे पर न आएं। उसे रोज बालों को धोने की सलाह दी गई। साथ ही रूसी का उपचार भी शुरू किया गया।

हाजमा ठीक न होने से भी इस तरह की परेशानी हो सकती है। उसे रोज दिन में एक कटोरी दही खाने की सलाह दी गई। तीन महीनों के बाद उसके माथे के दाने गायब हो गए। माथे के दाने कई बार साधारण न होकर किसी संक्रमण के कारण हो सकते हैं।

हाजमा बिगड़ना भी एक कारण हो सकता है, इसके लिए भरपूर पानी पीना बहुत जरूरी है। माथे की त्वचा चेहरे की बाकी त्वचा से थोड़ी अलग होती है, वहां तेल ग्रंथियां ज्यादा होती हैं, इसलिए दाने भी सबसे पहले उभरते हैं।

इसी तरह अगर लिवर इंफेक्शन होने पर भी माथे पर दाने आ सकते हैं। हालांकि ऐसा हर बार हो ही, ऐसा जरूरी नहीं। साफ-सफाई बहुत ही महत्वपूर्ण है। अपने हाथों को दिन में कई बार साबुन से धोएं। चेहरे को सेलिसिलिक एसिड युक्त फेस वॉश से दिन में दो बार धोएं। बालों को छोटा रखें। अगर लंबे हों तो उन्हें पीछे की ओर बांधे। ध्यान रखें कि वे चेहरे पर न आने पाएं।

- अपने हाथों को चेहरे पर कम से कम लगाएं।
- हेड बैंड्स का प्रयोग न करें, क्योंकि वे पसीना सोखते हैं।
- धूम्रपान कम करें। एक्टिव स्मोकर्स में एक्ने ज्यादा होता है।
- हेयर स्प्रे बहुत सावधानी से करें क्योंकि इससे रोम छिद्र बंद हो सकते हैं। बालों को बांध कर रखें।

ध्यान दें कि बालों से शैंपू पूरी तरह साफ हो। बालों और माथे पर शैंपू के अंश रह जाने से कई तरह की परेशानियां हो सकती हैं।

गर्मी में लड़कियों के लिए

खास टिप्स

गर्मी ने आते ही सबके हाल बेहाल करना शुरू कर दिया है। इसका असर बच्चों व बूढ़ों पर पड़ा है, तो महिलाएं भी इससे अछूती नहीं रही हैं।

कामकाजी महिलाओं और लड़कियों को गर्मी के मौसम में बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यहां हम महिलाओं को गर्मी से बचने के कुछ उपाय बता रहे हैं।

1. धूप में बाहर जाने से 20 मिनट पहले सनस्क्रीन लगाएं। यह आपको सनबर्न, स्कीन टैन आदि से बचाएगा। आपका सनस्क्रीन SPF15 या उससे ज्यादा का होना चाहिए।
2. इसके साथ जब भी बाहर जाएं तो गॉगल, हैंड ग्लव्स और स्कॉर्फ भी पहनें।
3. अपने सिर को हमेशा ढंककर रखें।
4. हर 1 घंटे में पानी पीने का नियम बना लें। ऐसा करने से आपके शरीर में हाइड्रेशन लेवल बना रहेगा।
5. रसीले फलों का सेवन करें, जैसे अंगूर, तरबूज, आम, ककड़ी ये आपके शरीर को पोषण देने के साथ-साथ तरोताजा भी रखेंगे।
6. अपने चेहरे पर हफ्ते में एक बार हर्बल मॉइस्चराइजर लगाएं जिसमें चंदन, हल्दी, ब्राह्मी, आमला और एलोवीरा हो।
7. साथ ही 1 महीने में 2 बार फ्रुट मॉस्क भी लगाएं।
8. गर्मी के मौसम में बाहर रोड पर लगे नलों में से पानी पीना अवॉइड करें। अपने साथ पानी की बोतल जरूर रखें।
9. गर्मी के मौसम में 2 बार स्नान करें।
10. जरूरत से ज्यादा भी काम न करें। जितनी क्षमता हो, उतना ही काम करें।
11. चाय और कॉफी का ज्यादा सेवन न करें तथा इन्हें खाली पेट तो बिलकुल न लें। खाली पेट लेने से पेट की बीमारियां होने की आशंका होती है।
12. और सबसे जरूरी कि अपनी दिनचर्या को नियमित रखें। समय से सोएं और समय से उठें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारी बारिश से तबाही : खैबर पख्तूनख्वा में 8 बच्चों सहित 10 की मौत

खैबर पख्तूनख्वा। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में भारी बारिश के कारण काफी नुकसान हुआ है। यहां कई लोगों के घर जमीदोज हो गए तो अब तक 8 बच्चों सहित 10 लोगों की मौत हो गई।प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने रविवार को कहा, पिछले दो दिनों में खैबर पख्तूनख्वा में बारिश से संबंधित घटनाओं में दस लोग मारे गए और बारह घायल हो गए।पीडीएमए के प्रवक्ता अनवर शहजाद ने हताहतों की संख्या की पुष्टि की और कहा कि मृतकों में आठ बच्चे और दो महिलाएं शामिल हैं जबकि घायलों में नौ बच्चे, दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। शहजाद ने कहा कि शनिवार रात तक प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, केपी में बारिश और ओलावृष्टि से संबंधित घटनाओं में 27 घर क्षतिग्रस्त हो गए। द नेशन के अनुसार, उन्होंने कहा कि प्रभावित इलाकों में राहत अभियान जारी है। शनिवार रात 11:30 बजे पीडीएमए द्वारा जारी एक संक्षिप्त रिपोर्ट में कहा गया कि शांगला, बन्नू, बाजौर, पेशावर, नौशेरा और मनसेहरा में छत और घर गिरने की विभिन्न घटनाओं में हताहत हुए। सूबे में शुक्रवार से भारी बारिश हो रही है। द नेशन के अनुसार, रिपोर्ट में कहा गया है, उपरोक्त क्षेत्रों के साथ-साथ मोहमंद, मर्दन, उत्तरी वज़ीरिस्तान, स्वात और ऊपरी दीर में तीन घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि 24 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए।

गाजा में हो रही तबाही से दुखी पोप फांसिस ने किया युद्ध रोकने का आव्हान

काहिरा। गाजा में मरने वालों में हमास के चार वरिष्ठ नेता शामिल हैं जिन्हें इजरायली सेना ने गाजा सिटी के अल शिफा अस्पताल में मारा है। अस्पताल परिसर में और उसके आसपास लड़ाई जारी है। सात अक्टूबर, 2023 से जारी इजरायली हमलों में अभी तक करीब 33 हजार फलस्तीनी मारे गए हैं।मिस्त्र और कतर की मध्यस्थता में चल रही वार्ता में 40 इजरायली बंधकों की रिहाई के बदले में छह हफ्ते के युद्धविराम पर वार्ता हो रही है। एक इजरायली बंधक के बदले में फलस्तीनी कैदियों को छोड़े जाने की संख्या अभी तय नहीं हो पाई है।

इसी बीच खबरें आ रहीं है कि पोप फ्रांसिस ने रविवार को अपने पारंपरिक ईस्टर भाषण में इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम का आह्वान किया। वेटिकन के सेंट पीटर स्कायर में हजारों लोगों से बात करते हुए, फ्रांसिस ने युद्ध को बेतुका बताया और यूरोप और मध्य पूर्व की समस्याओं को संबोधित किया। रविवार को अपने संबोधन में, पोप ने इजरायल-हमास युद्ध में तत्काल युद्धविराम के लिए अपनी अपील दोहराई, साथ ही गाजा तक मानवीय सहायता की पहुंच सुनिश्चित करने और बंधकों की शीघ्र रिहाई का भी आह्वान किया। माना जा रहा है कि हमास के कब्जे में अभी करीब 130 इजरायली बंधक हैं जिनकी रिहाई को लेकर वह सौदेबाजी कर रहा है। इससे पहले 24 नवंबर, 2023 को गाजा में एक सप्ताह का युद्धविराम हुआ है। उस दौरान 105 इजरायली और विदेशी नागरिकों को रिहा किया गया था। गाजा सिटी के अल शिफा अस्पताल के अतिरिक्त दूसरे बड़े शहर खान यूनिस में भी दो अस्पतालों को इजरायली सेना ने घेर रखा है।वहां पर हमास और इस्लामिक जिहाद के लड़ाकों के राकेट और मोर्टार हमलों का जवाब इजरायली सेना टैंकों की गोलाबारी से दे रही है। मध्य गाजा के अल मेघाजी में इजरायल के हवाई हमले में चार लोगों के मारे जाने की सूचना है। नजदीक के अल-बलाह शहर में इजरायली बमबारी में भी चार लोग मारे गए हैं और कई लोग घायल हुए हैं। गाजा के शहरों की इजरायली सेना की घेराबंदी से वहां पर खाद्य सामग्री पहुंचने में मुश्किल हो रही है। संयुक्त राष्ट्र ने गाजा में भुखमरी की आशंका जताई है।

आसमान से गिरा उल्कापिंड, ले गए वैज्ञानिक, कोर्ट ने दिए मकान मालिक को लौटाने के आदेश

स्टॉकहोम ।एक अजीब वाकया स्वीडन के स्टॉकहोम के उपलैंड में हुआ, जहां एक निजी मकान के पीछे के हिस्से में अंतरिक्ष से एक उल्कापिंड आकर गिरा। लोहे का यह उल्कापिंड 7 नवंबर 2020 को गिरा था और इसे पहले स्वीडिश म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री को सौंप दिया गया था। लेकिन स्वीडन के ही एक अजीब कानून की वजह से यह इस पत्थर को हटाई ना जा सकने वाली सम्पत्ति घोषित कर दिया गया। आखिर में इस कानून की वजह से अदालती लड़ाई का नतीजा यह हुआ कि सेविया कोर्ट ऑफ अपील ने इसे इम्मूवेबल प्रोपर्टी के तौर पर माना जिससे यह बड़ा सा पत्थर घर के मालिक जोहान बेनजेल्सटीएर्ना वॉन एन्जेस्ट्रोम की सम्पत्ति हो गया। इस अजीब से कानून का नाम एलेमैनस्नैटन है जिसमें पत्थरों और चट्टानों का वर्गीकरण और उनसे किसी स्थान से हटाने का कानूनी हक के बारे में बताया गया है। इसी कानून की वजह से नतीजा यह हुआ कि कोर्ट को आदेश देना पड़ा कि इस पत्थर को भूगर्भ शास्त्री एड्रियास फोर्सबर्ग और एन्ड्रियास डजेटेरक्विस्ट को पत्थर उस घर से हटाना ही नहीं चाहिए था। शुरू में इस पत्थर को म्यूजीयम को सौंप दिया गया, लेकिन घर के मालिक एन्जेस्ट्रोम ने इस फैसले के खिलाफ अपील की और उसने दावा किया कि यह पत्थर कानूनी तौर पर उसी की सम्पत्ति हो सकती है। कोर्ट ने कहा कि हर को घूमने का तो हक है, लेकिन इससे किसी को यह हक नहीं मिल जाता कि वह किसी और की जमीन से उल्कापिंड ले जा सके। जज रॉबर्ट ग्रीन ने कहा कि उल्कापिंड हटाई ना जा सकने वाली सम्पत्ति के आती हैं जिस तरह के दूसरे पत्थर और चट्टानें आती हैं, भले ही यह ऐसा क्यों ना लगे कि कुछ पृथ्वी के बाहर ही से आकर गिरा है।

तोशाखाना केस में इमरान-बुशरा की सजा पर रोक

-दो और मामलों के चलते जेल में ही रहेंगे खान ; ईद के बाद दोबारा सुनवाई शुरू होगी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को सरकारी खजाने के तोहफे बेचने के मामले (तोशाखाना केस) में राहत मिल गई है। इस केस में खान और पत्नी बुशरा को 14 साल की सजा सुनाई गई थी। फिलहाल, इस सजा पर इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। हालांकि, खान को जेल में ही रहना होगा, क्योंकि उनको दो और मामलों में सजा सुनाई गई है। तोशाखाना केस में इमरान और बुशरा को 31 जनवरी को सजा सुनाई गई थी। इसके अलावा गैरकानूनी तौर पर निकाह के मामले में दोनों को 7 साल की सजा सुनाई जा चुकी है। सीक्रेट लेटर चोरी केस में खान और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को 10 साल की सजा सुनाई जा चुकी है।

ईद के बाद सुनवाई

सोमवार को सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस आमिर फारूख ने कहा कि खान के खिलाफ इस मामले की सुनवाई ईद की छुट्टियों के बाद दोबारा शुरू होगी। फिलहाल, इमरान अडियाला जेल में हैं, जबकि बुशरा को इमरान के बनीगाला वाले घर में रखा गया है। इस घर के एक हिस्से को जेल में तब्दील कर दिया गया है। यहां बुशरा सख्त निगरानी में रहती हैं।

तुर्की में मेयर चुनावों के परिणाम आने पर उत्साहित अंकारा के मेयर मेंसूर यवास अपने समर्थकों के साथ उत्साहित होते हुए।

पाक पीएम ने अमेरिका को लिखा खत कहा- हम दुनिया में शांति चाहते हैं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को आश्वासन देते हुए कहा कि इस्लामाबाद वैश्विक शांति और क्षेत्र की समृद्धि के सामान्य लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वॉशिंगटन के साथ काम करना चाहता है। ये चिट्ठी तब लिखी जब अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पाकिस्तान को पत्र लिखकर कहा था कि वॉशिंगटन सबसे गंभीर वैश्विक और क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने के लिए पाकिस्तान के साथ खड़ा रहेगा। हालांकि इसमें पीएम शहबाज को अमेरिका ने पीएम बनने की बधाई नहीं दी है। इस्लामाबाद में नए प्रशासन के साथ पहले संवाद में बाइडन ने कहा कि हमारे और दुनिया भर के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दोनों के बीच स्थायी साझेदारी महत्वपूर्ण बनी हुई है। दिलचस्प बात यह है कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति के तौर पर उन्होंने पद संभाला था, तब पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ उन्होंने ऐसा कोई संवाद नहीं किया था। शहबाज शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान अमेरिका के साथ अपने संबंधों को बेहद महत्व देता है। शरीफ का यह बयान बाइडन के लिखे पत्र के बाद आया है। शरीफ ने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग और ग्रीन अलायंस फ्रेमवर्क पहल का स्वागत है।

रूस पर हमले के बाद तेजी से ताकतवर हो रहा इस्लामिक स्टेट

अमेरिका पर मंडरा रहा आतंकी हमले का खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 22 मार्च को मॉस्को के क्रोकस सिटी हॉल कॉन्सर्ट हॉल में हुए हमले में 134 लोगों की मौत की जिम्मेदारी लेकर आतंकी गुट इस्लामिक स्टेट ने पूरे विश्व को चौका दिया है। हालांकि हमलावर पकड़े जा चुके, साथ ही संदिग्धों से पूछताछ चल रही है, लेकिन रूस की चिंता बनी हुई है। जिस इस्लामिक स्टेट के बारे में माना जा रहा था कि वो लगभग खत्म हो चुका, वो न केवल भीतर पहुंचा, बल्कि इतना नुकसान भी कर गया। क्रेमलिन के बाद अंदेशा जताया जा रहा है कि आतंकी किसी अमेरिकी शहर को टारगेट कर सकते हैं।

यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड के पूर्व हेड फ्रैंकलिन मैकेंजी ने दावा किया कि इस्लामिक स्टेट यूएस पर हमलावर हो सकता है। मैकेंजी के अनुसार, खतरा इसलिए भी ज्यादा है कि अमेरिकी सेना ने अफगानिस्तान छोड़ दिया। इससे आतंकियों को वहां पनपने का मौका मिल गया। अब वे पूरी तरह से तैयार हो चुके हैं। बिल्कुल इसी तरह का बयान यूएस के आर्मी जनरल माइकल एरिक कुरिला ने भी दिया। आईएसआईएस के पास अब अमेरिका और उसके हितों पर अटैक करने की ताकत और मंशा दोनों ही है। आर्मी जनरल ने यहां तक कह दिया कि ऐसा 6 महीने के भीतर भी हो सकता है। इस्लामिक स्टेट के नाम पर अमेरिका में आखिरी हमला साल 2017 में हुआ था। न्यूयॉर्क में एक ट्रक में बैठे आतंकियों ने साइकिल सवारों पर गाड़ी चला दी थी, हमले में 8 मौतें हुईं, जबकि कई लोग घायल हुए थे। ये आतंकी गुट के पतन के चरम और पतन का दौर था।

फिर मजबूत हो रहा आईएसआईएस

अबु बक्र-अल बगदादी के मारे जाने के बाद से इस्लामिक स्टेट लगातार कमजोर होता गया और मार्च 2019 में लगभग पूरी तरह खत्म हो गया। कम से कम ऐलान तो यही हुआ। उसके खात्मे में अमेरिकी सेना और अमेरिकी नीतियों का बड़ा हाथ रहा। देश ने खुद तो इन देशों में अपनी सेनाएं भेजी हीं, मित्र देशों को भी सेनाएं भेजने को कहा। इसी बात ने इस्लामिक स्टेट को अमेरिका का कट्टर दुश्मन बना दिया। सूत्रों का दावा है की एक बार फिर आईएसआईएस मजबूत हो रहा है। खासकर रूस पर हुए हमले ने अमेरिका और यूरोप को अलर्ट कर दिया है। एक्सट्रीमिस्ट गुटों की फंडिंग रुकवाकर उन्हें कमजोर करने वाली संस्था काउंटर एक्सट्रीमिज्म प्रोजेक्ट के अनुसार, पिछले साल जुलाई में जर्मनी में 7 लोगों को अरेस्ट किया गया। ये इस्लामिक स्टेट से जुड़े हुए थे और जर्मनी समेत कई देशों में हाई-प्रोफाइल अटैक की तैयारी में थे। इसी महीने जर्मनी में ही दो अफगान नागरिकों को पकड़ा गया, जो स्वीडन की पार्लियामेंट को दहलाने की प्लानिंग कर रहे थे। कुछ समय पहले यूएस डिफेंस डिपार्टमेंट से एक क्लासिफाइड पेपर लीक हो गया। वॉशिंगटन पोस्ट में इस क्लासिफाइड दस्तावेज, जो कि पेंटागन ने जारी किया था, के हवाले से कहा गया कि ढ्रस्ढ्रस् एक कॉस्ट इफेक्टिव मॉडल बना रहा ताकि कम खर्च पर टारगेट देशों को दहला सके।

अब अमेरिका में ही गूंजा मोदी सरकार का नारा

-सिखों ने निकाली रैली, अबकी बार 400 पार का किया समर्थन

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारत में हो रहे आम चुनाव की गूंज अब अमेरिका सुनाई देने लगी है। वहां सिख समुदाय ने भाजपा के समर्थन में एक रैली का आयोजन किया। इस रैली में लोगों ने अपनी गाड़ियों पर मोदी सरकार के 400 पार का नारा लिखे पोस्टर लगा रखे थे। बता दें भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव कार्यक्रम का ऐलान कर दिया गया है। 19 अप्रैल को पहले चरण का मतदान होगा और 4 जून को नतीजे आएंगे।

अमेरिका के मैरीलैंड में अमेरिका में रह रहे सिखों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन में एक कार रैली का आयोजन किया। यह आयोजन 31 मार्च रविवार को किया गया। इस आयोजन में लोगों ने कारों पर बीजेपी का झंडा और अमेरिका का राष्ट्रीय ध्वज लगा रखा था। साथ ही अबकी बार 400 पार और तीसरी बार मोदी सरकार जैसे नारे लिखे पोस्टर लगा रखे थे।

बता दें कि 2014 और 2019 में पूर्ण बहुमत से जीत हासिल करने के बाद बीजेपी की अगुवाई वाली एनडीए ने इस बार 2024 के लोकसभा चुनाव में 400 से ज्यादा सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। वहीं, बीजेपी 370 से ज्यादा सीटें जीतन का प्रयास कर रही है। 2014 में बीजेपी ने लोकसभा की 543 सीटों में से 282 सीटें जीती थीं। वहीं, 2019 में 303 सीटें बीजेपी को मिली थीं।

वहीं नागपुर में अपने घर पर एजेंसी को दिए इंटरव्यू में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि उनके मन में इस बात को लेकर कोई संदेह नहीं है कि बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए इस बार 400 सीट के आंकड़े को पार करेगा। उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में सरकार द्वारा किए गए बेहतरीन कार्यों के बदौलत नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में भारत का नेतृत्व करेंगे।

चीन ने अरुणाचल की 30 जगहों के नाम बदले

-7 साल में चौथी बार ऐसा किया ; अरुणाचल को फिर अपना हिस्सा बताया

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताकर वहां की 30 जगहों के नाम बदल दिए हैं। चीन की सिविल अफेयर मिनिस्ट्री ने इसकी जानकारी दी। हालांकि, किन जगहों के नाम क्या रखे गए हैं, इस बारे में जानकारी नहीं दी गई।

पिछले 7 सालों में ऐसा चौथी बार हुआ है जब चीन ने अरुणाचल की जगहों का नाम बदला हो। चीन ने अप्रैल 2023 में अपने नक्शे में अरुणाचल प्रदेश की 11 जगहों के नाम बदल दिए थे। चीन ने पिछले 5 साल में तीसरी बार ऐसा किया था। इसके पहले 2021 में चीन ने 15 जगहों और 2017 में 6 जगहों के नाम बदले थे।

नाम बदलने के पीछे चीन का दावा

दरअसल, चीन ने कभी अरुणाचल प्रदेश को भारत के राज्य के तौर पर मान्यता नहीं दी। वो अरुणाचल को 'दक्षिणी तिब्बत' का हिस्सा बताता है। उसका आरोप है कि भारत ने उसके तिब्बती इलाके पर कब्जा करके उसे अरुणाचल प्रदेश बना दिया है। चीन अरुणाचल के इलाकों के नाम क्यों बदलता है इसका अंदाजा वहां के एक रिसर्चर के बयान से लगाया जा सकता है। 2015 में चाइनीज एकेडमी ऑफ सोशल साइंस के रिसर्चर झांग योंगपान ने ग्लोबल टाइम्स को कहा था, जिन जगहों के नाम बदले गए हैं वो कई सौ सालों से हैं। चीन का इन जगहों का नाम बदलना बिल्कुल जायज है। पुराने समय में जांगनान (चीन में अरुणाचल को दिया नाम) के इलाकों के नाम केंद्रीय या स्थानीय सरकारें ही रखती थीं।

बांग्लादेश में चीनी मदद से बने सबमरीन बेस की पहली तस्वीर, बंगाल की खाड़ी में भारत की बढ़ेगी टेंशन

ढाका (एजेंसी)। चीनी मदद से बांग्लादेश में बन रहा सबमरीन बेस का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। इस बात का खुलासा हाल ही में आई सैटेलाइट तस्वीर से हुआ है। इस तस्वीर में बांग्लादेशी सबमरीन बेस में एक सूखी गोदी भी नजर आ रही है, जो पनडुब्बी की मरम्मत के काम में लाई जा सकती है। तस्वीर में नजर आई सूखी गोदी की लंबाई करीब 135 मीटर और चौड़ाई 30 मीटर बताई जा रही है।

बांग्लादेश में बन रहे सबमरीन बेस का दावा करने वाले सूत्रों का कहना है कि सबमरीन बेस पर फ्यूल, ऑयल और लुब्रीकेंट डिपो, अंदर और बाहर पनडुब्बियों को डॉक करने के लिए पियर भी तैयार नजर आए हैं। बताया जा रहा है कि बाहरी पियर तकरीबन 260 मीटर लंबा है, जहां एक साथ दो पनडुब्बियों को तैनात किया जा सकता है। वहीं, बेस के अंदर बने पियर की लंबाई 100-100 मीटर बताई जा रही है।

जानकारी अनुसार बांग्लादेश स्थित कॉक्स बाजार के पेकुआ में यह सबमरीन बेस बनाया जा रहा है, जिसका नाम बीएनएस शेख हसीना रखा गया है। इस बेस का फैलाव 1.75 वर्ग किलोमीटर का है। यहां बतलाते चलें कि इस बेस का निर्माण 2020 में शुरू हुआ था। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बेस का उद्घाटन

मार्च 2023 में किया था, जिसमें चीनी नौसेना के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। इसलिए इसे चीनी पनडुब्बी कूटनीति का नाम दिया जा रहा है इसके तहत चीनी पनडुब्बियां अपग्रेडेशन और सर्विसिंग के लिए बांग्लादेश बंदरगाह पर लाई जा सकेंगी और डॉक की जाएंगी। गौरतलब है कि चीन ने बांग्लादेश की नौसेना को दो पनडुब्बियां भी दी हैं। अब चूंकि बांग्लादेश के इसी बेस से कुच्छ दूरी पर ही भारत का परमाणु पनडुब्बियों का अड्डा भी है। ऐसे में चीनी युद्धपोत और पनडुब्बियां भारत के इस बेस और परमाणु पनडुब्बियों की जासूसी करने में लग सकता है। इसे लेकर भारत की चिंताएं बढ़ना लाजमी हैं।

आपके घर का नाम बदल दूं तो क्या वह मेरा हो जायेगा? चीन के दावे पर जयशंकर ने दिया तगड़ा रिप्लाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश पर बार-बार दावा करने के लिए चीन पर कड़ा प्रहार करते हुए, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि स्थानों के नाम बदलने से कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और दोहराया कि पूर्वोत्तर राज्य हमेशा था, है और रहेगा। भारत का अभिन्न अंग है। जयशंकर का ये बयान चीन द्वारा राज्य में स्थानों के लिए 30 नाम जारी करने के बाद आया है। जयशंकर ने कहा कि अगर आज मैं तुम्हारे घर का नाम बदल दूं तो क्या वह मेरा हो जायेगा? अरुणाचल प्रदेश भारत का राज्य था, है और रहेगा। नाम बदलने से कोई असर नहीं पड़ता। जयशंकर ने सोमवार को गुजरात में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, हमारी सेना वहां (वास्तविक नियंत्रण रेखा पर) तैनात है।

भारतीय राज्य पर अपने दावे को फिर से जोर देने के लिए हाल के हफ्तों में बीजिंग के बढ़ते दावों के बीच चीन ने रविवार को अरुणाचल प्रदेश में विभिन्न स्थानों के 30 नए नामों की चौथी सूची जारी की। भारत चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने को खारिज करता रहा है, यह कहते हुए कि राज्य देश का अभिन्न अंग है और ÷आविष्कृत÷ नाम निर्दिष्ट करने से इस वास्तविकता में कोई बदलाव नहीं आता है। चीनी नागरिक मामलों के मंत्रालय ने ज़ंगनान में मानकीकृत भौगोलिक नामों की चौथी सूची जारी की है। सरकारी ग्लोबल टाइम्स ने रविवार को रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 1 मई से प्रभावी होने के लिए, कार्यान्वयन के उपाय अनुच्छेद 13 में निर्धारित हैं कि विदेशी भाषाओं में ऐसे नाम रखें जो चीन के क्षेत्रीय दावों और संप्रभुता अधिकारों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

भारत ने अरुणाचल प्रदेश पर चीन के क्षेत्रीय दावों को बार-बार खारिज किया है और कहा है कि राज्य देश का अभिन्न अंग है। नई दिल्ली ने क्षेत्र को ÷मनगढ़ंत÷ नाम देने के बीजिंग के कदम को भी खारिज कर दिया है और कहा है कि इससे वास्तविकता में कोई बदलाव नहीं आया है। चीन अरुणाचल प्रदेश को ज़ंगनान या दक्षिण तिब्बत को चीनी क्षेत्र का हिस्सा बताता है। राज्य पर अपना दावा फिर से जताने के लिए चीन के हालिया बयानों की शुरुआत बीजिंग द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अरुणाचल प्रदेश यात्रा पर भारत के साथ राजनयिक विरोध दर्ज कराने से हुई, जहां उन्होंने अरुणाचल प्रदेश में 13,000 फीट की ऊंचाई पर बनी सेला सुरंग को राष्ट्र को समर्पित किया।

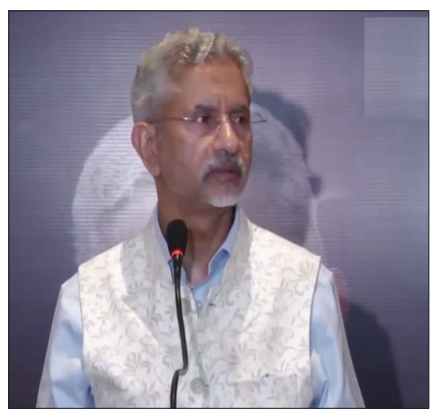

ईडी ने माकपा और उसके नेताओं के कथित अघोषित बैंक खातों की जांच की

जांच में मिले अहम सबूत, गिर सकती है माकपा पर गाज

नई दिल्ली। (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव के बीच ईडी अपनी कार्यवाई को अंजाम देने लगातार छापेमारी कर रही है। अभी हाल में दिल्ली सीएम केजरीवाल को भी ईडी ने गिरफ्तार किया था उनसे पूछताछ की जा रही है। इसी बीच जानकारी मिली है कि ईडी ने माकपा और उसके नेताओं के कथित अघोषित बैंक खातों की मनी लॉन्ड्रिंग जांच की है। जांच में मिले सबूतों को ईडी ने आरबीआई, राजस्व विभाग और केंद्रीय निर्वाचन आयोग के साथ साझा किए हैं। ईडी का आरोप है कि ये खाते कानून तोड़कर करुवनूर सर्विस कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड में खोले गए थे। सोसाइटी और उसके सदस्य 150 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी के लिए ईडी जांच का सामना कर रहे हैं। ईडी ने आरोप लगाया कि सीपीआई(एम) के नाम पर पांच बैंक खाते खोले गए ताकि पार्टी ऑफिस के लिए जमीन खरीदी जा सके और पार्टी फंड, लेवी आदि जमा किए जा सकें। ईडी ने चुनाव आयोग को जो पत्र लिखा है उसमें माकपा ने सोसाइटी की सदस्यता नहीं ली है लेकिन खाते खोल दिए गए हैं। यह केरल सहकारी समितियां अधिनियम और बैंक के नियमों का उल्लंघन है। वहीं ईडी ने चुनाव आयोग से यह वेरिफाई करने का आग्रह किया कि क्या सीपीआई(एम) ने वित्तीय मामलों की पूरी और सही जानकारी देने, चंदा लेने और फंड के उपयोग के संबंध में निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन किया है। ईडी ने अपने पत्र में यह भी आरोप लगाया कि बैंक की गवर्निंग बडी और मैनेजर ने बेनामी लोन बांटे, जिससे बैंक को 150 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

ईडी ने ये लगाए माकपा पर आरोप

ईडी ने आरोप लगाया कि सीपीआई(एम) के जिला स्तरीय नेताओं और बैंक को नियंत्रित करने वाली समिति के सदस्यों के निर्देश पर गरीब सदस्यों की संपत्तियों को बिना उनकी जानकारी के गिरवी रख लोन बांटे दिए और धन की मनी लॉन्ड्रिंग की गई।

ईडी ने 22 अगस्त, 2023 को मोइदीन के आवास की तलाशी ली थी और बैंक में जमा 28 लाख रुपये और एफडीआर को फ्रीज कर दिया था। ईडी के अनुसार, सहकारी समिति ने एक ही संपत्ति पर कई बार नकद में फर्जी लोन सैंक्शन किए थे।

ईडी ने यह भी आरोप लगाया कि मेंबरशिप देने में भी गड़बड़ियां पाई गईं, जिनमें केवाईसी में पता और मूल पता मेल नहीं खाता है। इसी तरह, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के बुक्स ऑफ अकाउंट्स का मेंटनैंस, गोल्ड लोन्स आदि में भी गड़बड़ियां मिली हैं।

ईडी ने केरल की कई अन्य सहकारी समितियों में भी घपलों का आरोप लगाया। इस मामले में, उसने लगभग 87 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की है, चार आरोपियों को गिरफ्तार भी किया और 1 नवंबर, 2023 को प्रॉसिक्युशन कंप्लेंट दर्ज की। उधर, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने भी ईडी के जांच नतीजों के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ईदगाह मस्जिद की सीढ़ियों पर स्थित कृष्णा कूप की हुई पूजा

मथुरा। (एजेंसी)

शहर में स्थित जन्मभूमि पर आज कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शाही ईदगाह मस्जिद की सीढ़ियों पर स्थित कृष्णा कूप की महिलाओं ने पूजा की। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। हिंदू संगठन के लोगों ने कृष्ण कूप की पूजा का ऐलान किया था, जिसके बाद ईदगाह की गली पर पुलिस का सख्त पहरा है। एसएसबी, पीएएली और पुलिसकर्मियों के साथ-साथ खुफिया एजेंसी के लोग भी मौजूद हैं। खुफिया एजेंसी और पुलिस के लोग हिंदू संगठन और उससे जुड़े लोगों पर नजर बनाए हुए हैं।

बता दें कि कुछ दिनों पहले कृष्ण कूप की पूजा की अधिकारी की मांग इलाहाबाद हाईकोर्ट से की गई थी। इसके लिए श्रीकृष्ण जन्मभूमि के पक्षकार ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में आवेदन किया था। श्रीकृष्ण जन्मभूमि के पक्षकार ने अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह के जरि कोर्ट में आवेदन दिया था। उन्होंने कहा था कि मस्जिद की सीढ़ियों के पास कृष्णकूप है। कुएं का निर्माण बज्रनाभ ने कराया था। उन्होंने कहा था कि मुस्लिम पक्ष, हिंदुओं द्वारा पूजा करने का विरोध करता है। पिछली बार पुलिस की तैनाती के बाद पूजा की गई थी।हिंदू संगठनों ने ऐलान किया था कि वह सोमवार सुबह 9 बजे कृष्ण की पूजा करेंगे। शाही ईदगाह मस्जिद की सीढ़ियों पर कृष्ण कूप बना हुआ है। आज कई जगहों पर शीतला सप्तमी पर बासोड़ा का पर्व मनाया जा रहा है। इस खास मौके पर कृष्णकूप की पूजा की परंपरा है।

बीजेपी प्रत्याशी शेखावत व राठौड़ के बीच विवाद सुलझा

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कराई सुलह, गजेंद्र सिंह शेखावत की बड़ी ताकत

जोधपुर।

देश में अब गर्मी के साथ सियासी रण में भी पारा बढ़ने लगा है। राजस्थान की जोधपुर लोकसभा सीट पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का इस बार मुकाबला बराबरी का है। सियासी रण में उनका मुकाबला कांग्रेस के करण सिंह उचियारड़ा से है। गजेंद्र सिंह शेखावत के लिए इस बार स्वयं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कमान अपने हाथ में ले रखी है। शेरगढ़ विधायक बाबू सिंह राठौड़ की गजेंद्र सिंह शेखावत के साथ चल रहे विवाद ने भाजपा की सियासत में भूचाल ला दिया था। राठौड़ के समर्थकों ने शेखावत का विरोध कर जमकर जमकर बवाल काटा । इस पर विवाद बढ़ा देख मुख्यमंत्री भजनलाल ने बाबू सिंह को बुलाकर शेखावत के साथ सुलह करवाई। बाबू सिंह के मानने के बाद शेखावत की राह आसान हो पाई। इस सुलह के बाद जोधपुर में बीजेपी के लिए अच्छा माहौल तैयार हो गया है। दोनों नेता एक दूसरे को खुले मंच से आश्वासन दे चुके हैं। यही नहीं सीएम भजनलाल ने शेखावत का नामांकन भी अपनी ही उपस्थिति में भरवाया। शेखावत और बाबू सिंह के बीच सुलह के बाद सियासी गलियारों में चर्चा है कि मुख्यमंत्री भजनलाल की वजह से शेखावत की ताकत बढ़ी है। नामांकन के दौरान भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जोधपुर पहुंचे। जहां उन्होंने शेखावत के पक्ष में सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर बरसे । एक समय था, जब बाबू सिंह राठौड़ के समर्थक शेखावत के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। इससे शेखावत की लोगों के बीच नेगेटिव रिपोर्ट जा रही थी। लेकिन मुख्यमंत्री भजनलाल ने स्थिति को सुधार कर माहौल को खुशनुमा बना दिया है।

शेखावत को करण देंगे कड़ी चुनौती

जोधपुर लोकसभा सीट पर बीजेपी के प्रत्याशी गजेंद्र सिंह शेखावत के खिलाफ कांग्रेस ने करण सिंह उचियारड़ा को मैदान में उतारा है। करण सिंह जोधपुर के स्थानीय नेता हैं। करण सिंह का जोधपुर में काफी प्रभाव है। ऐसे में सियासी चर्चा है कि इस लोकसभा चुनाव में शेखावत के लिए जीत की राह इतनी आसान नहीं होगी। उन्हें कांग्रेस के प्रत्याशी करण सिंह से कड़ी चुनौती मिलेगी। अब देखना होगा कि इस लोकसभा चुनाव में मुख्यमंत्री भजनलाल की वजह से शेखावत की ताकत में कितना इजाफा होता है?

कच्चाथीवू दीप बना चुनावी मुद्दा

दक्षिण भारत में कांग्रेस और डीएमके की बढ़ेंगी चुनौतियां

नई दिल्ली।

लोकसभा चुनाव जीतने के लिए राजनैतिक दल अपनी अपनी ताकत लगा रहे हैं। एक दूसरे पर आरोप लगाकर खुद को बेहतर बताने की कोशिशें दिखाई दे रहीं हैं। शिक्षा,स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मुद्दे चुनाव में दूर दूर तक नहीं हैं। अब 50 साल पुराना कच्चाथीवू दीप का मामला बहुत तेजी से जोर पकड़ रहा है। कांग्रेस की इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने 1974 में श्रीलंका से एक समझौता किया था। इसके तहत कच्चाथीवू द्वीप पर भारत ने अपना दावा छोड़ दिया था और उसे श्रीलंका का हिस्सा मान लिया था। हालांकि डीएमके के ही एक तत्कालीन सांसद इरा सेझियान ने इस पर सवाल उठाया था। उन्होंने कहा था, यह समझौता हमारे देश के हितों के खिलाफ जाता है। यह तो पूरी तरह से ऐसा फैसला है, जिसके तहत हम अपने ही एक हिस्से को दूसरे को ट्रांसफर कर रहे हैं। यह फैसला अपवित्र और अपमानजनक है। हम साफ करना चाहते हैं कि विदेश मंत्री के बयान से हमारा कोई संबंध नहीं है, जिसके तहत वह कच्चाथीवू द्वीप को श्रीलंका को सौंपने की बात कर रहे हैं। बता दें कि तमिलनाडु में भी भाजपा इस बार लोकसभा चुनाव से पहले काफी सक्रिय है। ऐसे में इस मुद्दे ने भाजपा को नया मसला दे दिया है। यही वजह है कि पीएम मोदी ने कांग्रेस के अलावा डीएमके को भी निशाने पर लिया है। इस मामले पर रविवार को जब एक रिपोर्ट छपी तो पीएम नरेंद्र मोदी ने उस मुद्दे को उठाते हुए कांग्रेस पर हमला बोल दिया। यही नहीं उन्होंने कहा कि यह आंख खोलने वाली जानकारी है। कैसे कांग्रेस ने देश के एक हिस्से कच्चाथीवू को श्रीलंका को दे दिया। इस बात से हर भारतीय के मन में गुस्सा है और यह यकीन और बढ़ गया है कि कांग्रेस पर भरोसा नहीं कर सकते। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस 75 सालों से देश की अखंडता और एकता से खिलवाड़ करती आ रही है।

जो होना था हो चुका, अब 2029 में होगी बात: उद्धव ठाकरे

- महाराष्ट्र में कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे का मामला

मुंबई । (एजेंसी)

महाराष्ट्र में कांग्रेस और शिवसेना के बीच सांगली पर फंसे पेंच के बीच शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने दो टूक कहा कि सीट बंटवारे को लेकर जो भी होना था, वह हो चुका। अब इसमें कुछ नहीं बचा। उनका कहना था कि अब सीट बंटवारे को लेकर गठबंधन के भीतर अगली बातचीत जो भी बात होगी, वह 2029 में ही होगी। विपक्षी गठबंधन की रैली में भाग लेने के लिए दिल्ली पहुंचे ठाकरे ने मीडिया में सीट बंटबारे पर खींचतान पर बोलते हुए कहा कि महाविकास अघाड़ी में सीट बंटवारे को लेकर कोई समस्या नहीं है। इस पर जो होना था, हो चुका। यह उम्मीदवारों के नाम पर मुहर लगने के बाद कांग्रेस को भी समझ आ गया है। कांग्रेस की ओर से इस मुद्दे पर टॉप लीडरशिप के बीच बात होने के दावे पर उनका कहना था कि राहुल गांधी या मल्लिकार्जुन खरगे से चर्चा करने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि गठबंधन के भीतर सीट बंटवारे को लेकर आखिरी मौके तक खींचतान चलती रहती है। बीजेपी के साथ तालमेल में भी ऐसा होता था। यही चीज एमवीए में भी लागू होती है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पहली बार महा विकास अघाड़ी के भीतर विवादास्पद मुद्दों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि सीट बंटवारे की बातचीत के दौरान टकराव आम बात है। हालांकि, अब दो-तीन महीने के विचार-विमर्श के बाद सीट बंटवारे के फार्मूले को लगभग अंतिम रूप दे दिया गया है, इसलिए कांग्रेस नेताओं को एहसास होने लगा है कि उन्हें इसे स्वीकार करना होगा। मामला सांगली लोकसभा क्षेत्र का है। यहां पर उद्धव ठाकरे ने चंद्रहर पाटिल को उम्मीदवार घोषणा किया है। कांग्रेस का दावा है कि एमवीए दलों को विश्वास में लिए बिना उद्धव ने एकतरफा फैसला लिया। कांग्रेस इस सीट पर अपना दावा कर रही थी। कांग्रेस यहां से विशाल पाटिल को टिकट देना चाहती थी। अब इस सीट पर फ्रेंडली फाइट होगी।

पीएम मोदी ने विपक्ष को दो टूक कहा- ईडी,सीबीआई स्वतंत्र हैं हम नहीं बताते उन्हें क्या करना है

नई दिल्ली। (एजेंसी)

विपक्ष की तरफ से बार आरोप लग रहे थे कि केंद्र सरकार जांच एजेंसियों का बेंजा उपयोग कर रही है। ईडी और सीबीआई भाजपा के विरोधियों पर एक्शन ले रही है। इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष को दो टूक कह दिया है कि ईडी और सीबीआई एक स्वतंत्र एजेंसी हैं। और पूरी स्वतंत्रता के साथ काम करती हैं।उन्हें किसी की भी तरफ से उन्हें निर्देश नहीं दिए जाते हैं। एक इंटरव्यू में पीएम मोदी ने कहा, हम न तो उनके कामों में किसी तरह की बाधा डालते हैं और न ही उन्हें कुछ करने के निर्देश देते हैं। वे स्वतंत्र होकर काम करती हैं और इसका मूल्यांकन न्यायपालिका के पैमाने पर होता है। उन्होंने कहा कि ईडी जिन मामलों की जांच कर रही है, उनमें से 3 फीसदी से भी कम राजनीति से जुड़े हुए हैं।उन्होंने कहा, फिलहाल, ईडी के पास 7 हजार मामले हैं। जिनमें से 3 फीसदी से भी कम में राजनेता शामिल हैं। उनके (विपक्ष) 10 साल के राज में सिर्फ 35 लाख रुपये जब्त किए गए थे। वहीं, हमने 2200 करोड़ रुपये जब्त किए हैं। खास बात है कि आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी समेत कई विपक्षी दल सरकार पर प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के गलत इस्तेमाल के आरोप लगा रहे हैं। विपक्ष की तरफ से ये भी आरोप लगाए जाते हैं कि एजेंसियां सिर्फ उन लोगों पर ही ऐक्शन ले रही है, जो भाजपा से नहीं हैं। इस पर पीएम मोदी ने बताया कि ईडी की कोई भी मामला शुरू करने की प्रक्रिया एक ही है, फिर चाहे सत्ता में कोई भी हो। उन्होंने कहा, पार्टी कोई भी हो, प्रक्रिया वही है। ईडी किसी भी मामले की अपने आप शुरुआत नहीं करती है। कई विभागों को पहले केस दर्ज करना पड़ता है, इसके बाद ईडी ऐक्शन लेती है। पीएमएलए पहले भी था, लेकिन उन्होंने (विपक्ष) इसका इस्तेमाल नहीं किया। पीएमएलए कानून से छूट के लिए 150 से ज्यादा मामले कोर्ट में दाखिल किए गए और वे एक अधिकारी को बनाए रखने या हटाने के लिए सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गए।उन्होंने कहा, उन लोगों ने न्यायपालिका को हथियार की तरह इस्तेमाल किया, क्योंकि वे जानते हैं कि भ्रष्टाचार के खिलाफ मोदी की कार्रवाई नहीं रुकेगी।

संक्षिप्त समाचार

चुनाव में आमने- सामने पर प्रचार में साथ साथ!

- कांग्रेस प्रत्याशी प्रताप सिंह खाचरियावास ने लिया भाजपा की मंजू शर्मा से आशीर्वाद

जयपुर । सेंट्रल पार्क में आयोजित एक योगा कार्यक्रम में कांग्रेस प्रत्याशी प्रताप सिंह खाचरियावास और बीजेपी प्रत्याशी मंजू शर्मा एक साथ समर्थन मांगते नजर आए। जयपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी प्रताप सिंह खाचरियावास और बीजेपी प्रत्याशी मंजू शर्मा आमने सामने चुनाव लड़ रहे हैं। इसके बावजूद सेंट्रल पार्क में जब दोनों नेताओं की आपस में मुलाकात हुई तो प्रताप सिंह खाचरियावास ने मंजू शर्मा से आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि मंजू शर्मा मेरी बड़ी बहन के जैसी हैं। ऐसे में उनके आशीर्वाद की उन्हें नितांत आवश्यकता है। मंजू शर्मा के साथ बीजेपी विधायक कालीचरण सराफ सहित कई नेता और कार्यकर्ता भी साथ थे। खाचरियावास और कालीचरण सराफ ने छात्र राजनीति के दौरान कई आंदोलन एक साथ मिलकर किए थे। दोपहर बाद एक अन्य कार्यक्रम में बीजेपी विधायक कालीचरण सराफ ने कहा कि कांग्रेस में आपसी फूट है और बीजेपी पूरी तरह से एकजुट है। ऐसे में जयपुर लोकसभा की सीट 5 लाख से जीतेंगे। सराफ ने कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी प्रताप सिंह तो चुनाव लड़ना ही नहीं चाहते थे। पार्टी ने उन्हें जबरदस्ती टिकट देकर चुनाव मैदान में उतार दिया। पार्टी के मान सम्मान के लिए वे चुनाव लड़ रहे हैं लेकिन बीजेपी को टक्कर नहीं दे सकते।

भाजपा ने भीलवाड़ा से दामोदर अग्रवाल को मैदान में उतारा

- पीएम मोदी के सहपाठी रहे दामोदर, दोनों ने साथ में ली आरएसएस की ट्रेनिंग

भीलवाड़ा । दामोदर अग्रवाल अपनी पढ़ाई के बाद 3 साल ब्यावर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक रहे। इसके बाद संघ की तृतीय वर्ष ट्रेनिंग नागपुर में ली। उस दौरान तत्कालीन प्रचारक और वर्तमान में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात हुई। 1 महीने एक कक्ष में रहकर दोस्त बनने का फायदा इस बार भीलवाड़ा के बीजेपी के लोकसभा के उम्मीदवार दामोदर अग्रवाल को मिला है। साल 2019 में राजस्थान में सर्वाधिक वोटों से 6 लाख से अधिक वोटों से जीतने वाले सुभाष बहेड़िया का आरएसएस के विरोध के कारण टिकट काटकर भारतीय जनता पार्टी ने भीलवाड़ा से दामोदर अग्रवाल को मैदान में उतारा। इधर, कांग्रेस ने इस सीट से कद्दावर नेता डॉक्टर सीपी जोशी को मैदान में उतारा है। 68 वर्ष के दामोदर अग्रवाल मूलत शाहपुरा जिले के जहाजपुर के रहने वाले हैं। 3 वर्ष तक ब्यावर में संघ के प्रचारक रहने के बाद उन्होंने कपड़ा व्यवसाय शुरू किया था।

बिहार में अतिथि शिक्षकों की सेवाएं समाप्त होंगी

पटना । बिहार में शिक्षा व्यवस्था को लेकर अपर मुख्य सचिव केके पाठक ने लगातार प्रयोग किए हैं। अब शिक्षा विभाग का नया आदेश आया है जो पिछले छह साल से स्कूलों में कार्यरत गेस्ट शिक्षकों से संबंधित है। कुछ साल पहले उच्च माध्यमिक स्कूलों में शिक्षकों की कमी को देखते हुए शिक्षा विभाग ने अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति की थी। अब सरकार ने इन अतिथि शिक्षकों की सेवाएं समाप्त करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में शिक्षा विभाग के निदेशक कन्हैया प्रसाद ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को एक पत्र भेजा है। पत्र में निदेशक ने बताया कि 25 जनवरी 2018 को शिक्षा विभाग ने निर्देश दिया था कि जहां शिक्षकों की कमी है वहां अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति की जाए। 4257 अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति की गई थी। शिक्षा विभाग के निदेशक कन्हैया प्रसाद द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि कक्षा 9वीं-10वीं के लिए 37 हजार 847, कक्षा 11वीं-12वीं के लिए 56 हजार 891 और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में 94 हजार 738 नियमित शिक्षकों की नियुक्ति कर दी गई है। ये शिक्षक अब स्कूलों में पदस्थ हो चुके हैं। इसलिए अब अतिथि शिक्षकों की आवश्यकता नहीं है। ऐसे शिक्षकों को स्कूलों से हटा देना चाहिए और प्रमाण-पत्र भेजकर विभाग को सूचित करना चाहिए कि अब किसी भी जिले में कोई अतिथि शिक्षक नहीं है। बिहार शिक्षा विभाग के निदेशक ने अपने पत्र में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे 1 अप्रैल 2024 से यह सुनिश्चित करें कि उनके जिले के किसी भी स्कूल में कोई अतिथि शिक्षक कार्यरत न हो। सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को 3 अप्रैल 2024 तक शिक्षा विभाग को एक प्रमाण पत्र देना होगा कि उनके जिले में अब कोई भी अतिथि शिक्षक काम नहीं कर रहा है।

बारामती सीट लोकसभा चुनाव में चर्चा का विषय बनी

ननद-भाभी की सियासी लड़ाई पवार परिवार के लिए बना प्रतिष्ठा का मुद्दा

मुंबई । (एजेंसी)

बारामती इस लोकसभा चुनाव में चर्चा का विषय बना हुआ है। ननद-भाभी की लड़ाई से बारामती को पूरे देश में पहचान मिल रही है क्योंकि महाराष्ट्र में दोनों पवार गुटों ने इसे चुनाव को प्रतिष्ठा का मुद्दा बना लिया है। शरद पवार और अजित पवार और सुप्रिया और सुनेत्रा दोनों लगातार चुनावी लड़ाई को वैचारिक लड़ाई और विकास के लिए पेश कर रहे हैं।

महाराष्ट्र का बारामती राष्ट्रीय स्तर पर विकास मॉडल के रूप में उभरा है, वजह यह है कि लोकसभा चुनाव 2024 में यह शरद पवार और उनके भतीजे अजित पवार के बीच युद्ध का मैदान बन गया है। संयोग से शरद पवार की बेटी और तीन बार की सांसद सुप्रिया सुले को अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार के खिलाफ खड़ा किया गया है। ननद-भाभी की लड़ाई से बारामती को पूरे देश में एक अलग पहचान मिल गई है, क्योंकि दोनों पवार गुटों ने इसे प्रतिष्ठा का मुद्दा बना लिया है।

देखा यह जा हा है कि पवार परिवार में विभाजन खुलकर सामने आ गया है, क्योंकि अजित पवार के सगे भाइयों और भतीजों के अलावा, पवार की बहनों व परिवार के अन्य सदस्य सुप्रिया की जीत के लिए जोरशोर से प्रचार कर रहे हैं। इस प्रचार ने अजित पवार को यह बयान देने के लिए मजबूर किया है कि वह, उनकी पत्नी और दो बेटे अलग-थलग हैं और मौजूदा लड़ाई में उन्हें परिवार के अन्य सदस्यों से मुकाबला करने के लिए छोड़ दिया गया है। विशेष रूप से वरिष्ठ पवार ने अपनी उम्र का हवाला देते हुए भावनात्मक अपील करने से परहेज किया है, हालांकि शरद पवार ने एक सख्त संकेत भेजा है कि लड़ाई वास्तविक है, उनसे अलग हो चुके भतीजे के साथ सुलह करना अब संभव नहीं है।

सांसद सुप्रिया अपने पिता शरद पवार की के राजनीतिक जीवन के दौरान बारामती और देश के लिए शानदार योगदान के अलावा तीन कार्यकालों के दौरान अपने काम पर वोट मांग रही हैं। दूसरी ओर, सुनेत्रा अपने पति अजित पवार के करिश्मे और विकास के एजेंडे को सक्रिय रूप से अपनाने में उनके रवैये पर काफी निर्भर हैं। सुप्रिया मतदाताओं से अपील करने में काफी स्पष्ट रही हैं कि लोकसभा चुनाव महत्वपूर्ण है,

सुनेत्रा की अपील क्या?

वहीं बीजेपी प्रत्याशी सुनेत्रा पवार लोगों से अपील कर रही है कि नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाकर देश की निरंतरता, स्थिरता और विकास को आगे बढ़ाने के लिए बीजेपी को वोट देकर उनका हाथ मजबूत करें। वह अपने पति अजित पवार के सिद्धांत को दोहराती हैं कि एक डबल इंजन सरकार, जिसका प्रतिनिधित्व केंद्र में बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार और राज्य में बीजेपी-शिवसेना और एनसीपी की महायुति सरकार कर रही है, समावेशी और सतत विकास के लिए बीजेपी को वोट देने की अपील कर रही हैं।

व्हाट्सऐप में आने वाला है एआई पावर्ड इमेज एडिटिंग टूल

- बदल जाएगा चैटिंग करने का तरीका

नई दिल्ली । सोशल मीडिया प्लेट फार्म उपलब्ध कराने वाली कंपनी मेटा व्हाट्सएप के एआई चैटबॉट, इन-ऐप एआई फोटो एडिटर और ऐप के भीतर बातचीत करने को लेकर नए डिज़ाइन किए गए संवर्द्धन जैसी सुविधाओं का विकास और परीक्षण कर रही है। जल्द ही व्हाट्सएप में एआई पावर्ड इमेज एडिटिंग टूल आने वाला है। अब आप चैटिंग करने के साथ-साथ आप वॉट्सऐप पर एआई के जरिए इमेज भी एडिट कर पाएंगे। व्हाट्सएप के इस नए एआई फीचर की टेस्टिंग बीटा वर्जन पर हो रही है और कुछ हफ्तों में इसका अपडेट जारी किया जा सकता है। व्हाट्सएप के फीचर को ट्रैक करने वाले वाबेटा इंफो ने इस नए फीचर के बारे में जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक नए फीचर की टेस्टिंग एंड्रॉयड के बीटा वर्जन 2.24.7.13 पर हो रही है। नए अपडेट के बाद यूजर्स को एचडी के आइकन के पास ही कई सारे एआई फीचर्स जैसे बैकड्रॉप, री-स्टाइल और एक्सपैंड मिलेंगे। मेटा अपने तमाम प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि के लिए एआई को लेकर काफी गंभीर है। एआई चैटबॉट, फोटो एडिटर और अधिक सहज खोज कार्यक्षमता के साथ, मेटा अधिक बुद्धिमान व्हाट्सएप के लिए आधार तैयार कर रहा है। ये सुविधाएँ उपयोगकर्ताओं के प्लेटफ़ॉर्म के साथ बातचीत करने के तरीके को बदलने का वादा करती हैं, और अधिक रचनात्मक, सूचनात्मक और कुशल संचार के लिए ये एक नया अनुभव होगा।

इन सुविधाओं का रोलआउट धीरे-धीरे होने की उम्मीद है, आने वाले दिनों में प्रत्येक को स्वतंत्र रूप से पेश किए जाने की संभावना है। अंततः, ये कार्यक्षमताएं सभी प्लेटफार्मों पर उपलब्ध होंगी, जिससे व्हाट्सएप अनुभव सभी के लिए स्मार्ट और अधिक बहुमुखी हो जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई